सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 214 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 18 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

डायल 112 की 400 व 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी

सीएम विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी रहे मौजूद

■ **'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित सेवा से पुलिस, मेडिकल इमरजेंसी जैसी हर स्थिति में मिलेगी सहायता**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं को और अधिक आधुनिक, त्वरित एवं नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत नेक्स्ट जेन सीजी डायल 112 इंटीग्रेटेड इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम का शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया गया। इस अवसर पर चलित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी एवं 400 अत्याधुनिक डायल 112 वाहनों को केन्द्रीयमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, विधायक, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करते हुए नागरिकों को एक ही नंबर पर त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराएगी। इसके तहत शुरू किए गए 400 अत्याधुनिक वाहनों में स्मार्टफोन, जीपीएस, वायरलेस रेडियो, पीटीजेड कैमरा, डैश कैम, मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों की मदद से घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग और त्वरित संचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह सेवा 24×7 संचालित होगी। इसमें जीआईएस आधारित मॉनिटरिंग, एडवांस व्हीकल ट्रैकिंग, एसआईपी ट्रंक टेक्नोलॉजी तथा स्वचालित कॉलर लोकेशन पहचान जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग हुआ है। 33 जिला समन्वय केंद्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। लोग वॉयस कॉल, एसएमएस, ईमेल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, चैटबॉट और डायल-112 इंडिया ऐप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

घटनास्थल पर ही होगी वैज्ञानिक जांच

Science on Wheels – Towards Faster Justice थीम पर आधारित 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदेश में अपराध अनुसंधान को नई दिशा देंगी। 32 वैन 32 जिले एक संकल्प: सटीक जांच, त्वरित न्याय के उद्देश्य के साथ शुरू की गई यह पहल घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी। लगभग 65 लाख रुपये प्रति यूनिट लागत वाली इन अत्याधुनिक वैन में घटनास्थल संरक्षण किट, साक्ष्य संग्रहण एवं सीलिंग उपकरण, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन सिस्टम, नार्कोटिक्स परीक्षण किट, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, उच्च गुणवत्ता फोटोग्राफी व्यवस्था, बुलेट होल स्क्रीनिंग एवं बैलिस्टिक जांच किट तथा गनशॉट रेजिड्यू परीक्षण किट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

जांच की गुणवत्ता में होगा सुधार

अब तक अपराध स्थल से साक्ष्य प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने में समय लगता था, जिससे साक्ष्यों के दूषित होने की संभावना बनी रहती थी तथा रिपोर्ट आने में भी विलंब होता था। नई मोबाइल फॉरेंसिक वैन के माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक जांच, साक्ष्य संरक्षण, परीक्षण और डिजिटल दस्तावेजीकरण किया जा सकेगा। इससे जांच की गुणवत्ता और गति दोनों में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

साक्ष्य आधारित न्याय व्यवस्था को मिलेगा नया बल

राज्य सरकार का उद्देश्य वैज्ञानिक जांच को जन-जन तक पहुंचाना, साक्ष्य आधारित न्याय प्रणाली को मजबूत करना, अपराध नियंत्रण में फॉरेंसिक विज्ञान की भूमिका को बढ़ाना तथा समयबद्ध, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित करना है। आधुनिक डायल-112 सेवा और मोबाइल फॉरेंसिक वैन के संचालन से प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा, अपराध अनुसंधान को नई गति मिलेगी तथा आम नागरिकों का कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

वीडी सतीशन बने केरल के सीएम 21 मंत्रियों ने भी किया शपथ ग्रहण

तिरुअनंतपुरम एजेंसी

वीडी सतीशन ने केरल के सीएम पद की शपथ ले ली है। राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री समेत कई शीर्ष नेता मौजूद रहे। वीडी सतीशन का शपथ ग्रहण समारोह तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में हुआ। सीएम के साथ ही उनकी पूरी कैबिनेट ने भी शपथ ली। सीएम वीडी सतीशन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि 60 साल बाद यूडीएफ की पूरी कैबिनेट ने एक साथ शपथ ली।

सतीशन की कैबिनेट में 20 मंत्रियों को शामिल किया गया है और सोमवार को ही उन्हें राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाई गई। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के अलावा राज्य के पूर्व सीएम और वामपंथी नेता पिनाराई विजयन, भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखरन भी सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता राज्य के विभिन्न हिस्सों से राज्य की राजधानी पहुंचे हैं। केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को चुनाव हुए थे और 4 मई को परिणाम जारी हुए थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन ने 102 सीटें जीती हैं, जबकि एलडीएफको 35 और भाजपा को तीन सीटें मिली हैं।

धोनी पहुंचे एनएसजी कमांडो ट्रेनिंग सेंटर, पिस्टल से निशाना लगाया, पूछा फिट लग रहा हूं ना

चेन्नई। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एनएसजी के बीच रविवार को चेन्नई में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स के रीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया। उन्होंने कमांडोज से पूछा- 'फिट लग रहा हूं न।' इस पर जवानों ने सहमति देते हुए कहा- 'पिछली बार जब आए थे, तब इससे भी फिट थे।' तब धोनी ने कहा- 'जैसे-जैसे टाइम बढ़ता है, मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है।' वे 2023 में एनएसजी कैंप में शामिल हो चुके हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। हालांकि वे पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। आज सीएसके चेन्नई में अपना आखिरी मैच खेलेगी। इसमें धोनी के खेलने की संभावना है।

खास-खबर

पेपर लीक मामले में 10वीं गिरफ्तारी, सीबीआई ने लातूर में कोचिंग संचालक को पकड़ा

मुंबई। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के लातूर शहर से एक कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर के रूप में हुई है, जो रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस नाम से कोचिंग संस्थान चलाता है। रविवार को एजेंसी द्वारा की गई तलाशी के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा का एक लीक हुआ प्रश्न पत्र मिला था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई ने रविवार को आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से कथित तौर पर नीट यूजी परीक्षा का लीक प्रश्नपत्र बरामद हुआ। इसके बाद एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी का आरोप है कि शिवराज मोटेगांवकर उस संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जो नीट यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने और उसे फैलाने में शामिल था।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक से हुई मोबाइल की लूट

रायपुर। बीजेपी नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक मॉर्निंग वॉक के दौरान मोबाइल लूट का शिकार हो गए। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी ब्रिज के पास बाइक सवार बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। सोमवार सुबह जब कौशिक पैदल चल रहे थे, तभी झपटमार उनके हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि वे संभल भी नहीं सके, रायपुर पुलिस ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष से लूट की इस वारदात की पुष्टि की है। घटना के तुरंत बाद कौशिक ने पुलिस को सूचना दी। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बदमाश बाइक पर सवार थे और वारदात को अंजाम देने के बाद तेजी से मौके से भाग निकले। पुलिस को शक है कि आरोपियों ने पहले रेकी की होगी। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 2 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

रायपुर। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक प्रदेश में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर, मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिसके बाद तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। फिलहाल प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 39.5 डिग्री बिलासपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस रायपुर में रिकॉर्ड हुआ है।

रेत के अवैध भंडारण व परिवहन पर विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1740 घनमीटर रेत जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कड़े निर्देशों के तहत प्रदेश में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। सचिव खनिज साधन विभाग तथा संचालक के निर्देशानुसार केंद्रीय खनि उड़नदस्ता एवं जिला स्तरीय संयुक्त टीम ने जिले के आरंग तहसील अंतर्गत ग्राम कागदेही में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान समोदा-कागदेही मार्ग तथा आर्या पेट्रोल पंप के दक्षिण दिशा में फॉरेस्ट नर्सरी के पास बिना वैध अनुमति के गौण खनिज साधारण रेत का अवैध भंडारण पाया गया। जांच में छत्तीसगढ़ खनिज नियम 2009 के उल्लंघन की पुष्टि होने पर खान एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई करते हुए लगभग 1740 घनमीटर रेत जब्त की गई। जब्त रेत को नगर पंचायत समोदा के पार्षद देवेंद्र कुमार साहू के सुपुर्द किया गया। वहीं सघन जांच के दौरान ग्राम समोदा के पास अवैध रेत परिवहन में संलग्न दो हाईवा वाहनों को भी जब्त कर आरंग थाना परिसर में खड़ा कराया गया।

राजस्व मंत्री ने छोड़ा 'पायलट-फॉलो' वाहनों का काफिला

■ **प्रधानमंत्री की अपील असर : स्टाफ की गाड़ियों की संख्या में भी की भारी कटौती**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने प्रशासनिक तामझाम और वीआईपी कल्चर को दरकिनार करते हुए एक बेहद सराहनीय और अनुकरणीय पहल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा बचत एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के आह्वान से प्रेरित होकर, मंत्री श्री वर्मा ने अपने शासकीय दौरों और आवागमन के दौरान मिलने वाले 'पायलट' और 'फॉलो' वाहनों के उपयोग को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया है।

मंत्री वर्मा अपने पूरे स्टाफ के साथ बेहद सीमित और कम से कम गाड़ियों के काफिले में सफर करेंगे। राज्य स्तर पर उनके इस फैसले को सादगी और जनता के प्रति जवाबदेही के एक बड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।अपने इस बड़े फैसले पर बात करते हुए कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि देश इस समय चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ऐसे में देशहित से जुड़ी किसी भी पहल की शुरुआत हम जनप्रतिनिधियों को स्वयं से करनी चाहिए और समाज के सामने एक उदाहरण पेश करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से न केवल सरकारी और प्रशासनिक खर्चों में भारी कमी आएगी, बल्कि आम नागरिकों के बीच भी ईंधन संरक्षण और ऊर्जा बचत के प्रति जागरूकता पैदा होगी।

जनता और प्रबुद्धजनों ने की सराहना

मंत्री वर्मा के इस फैसले की विभिन्न सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों और आम नागरिकों ने स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि राजनेताओं द्वारा फिजूलखर्ची रोकने और संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करने की यह पहल वाकई प्रेरणादायी है, जो जमीन से जुड़े नेता की पहचान को और मजबूत करती है।

कोरबा में ग्रामीणों की सजगता, पांच पशु तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पशु तस्करी रैकेट को पकड़ने में सफलता मिली है। पाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगल में 28 मवेशियों को तस्करों ने भूखे प्यासे बांध रखा था। ग्रामीणों की सजगता से पुलिस को सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने जंगल से 28 मवेशियों को बरामद किया और मुख्य आरोपी सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल टावर मोहल्ला पाली निवासी विजय नेताम को बतरा गांव के ग्रामीणों ने संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी। विजय ग्रामीणों के साथ बतरा के भदरापारा पहुंचे, जहां कुछ तस्कर भाग निकले, लेकिन पांच व्यक्ति पकड़े गए। जंगल में 28 मवेशी पेड़ से बंधे मिले, जिन्हें चारा और पानी नहीं मिला था। भूख-प्यास से तड़पते गौवंश की हालत देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए। विजय नेताम ने तत्काल पाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और 28 मवेशी जब्त किए, जिनकी कीमत लगभग 84 हजार रुपये आंकी गई।

मुख्य आरोपी रहमद खान व उसके चार साथियों को हिरासत में लेकर पशु क्रूरता अधिनियम और छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। तस्करी का भंडाफोड़ होने के बाद ग्रामीणों को धमकी मिलने की चर्चा है। फरार तस्करों और पकड़े गए आरोपियों के परिजन फोन कर ग्रामीणों को धमका रहे हैं। इससे इस गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने धमकी देने वालों पर आईटी एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हाईवे पर ट्रक और मैजिक की भिड़ंत, नौ लोगों की मौत

लखीमपुर ए.। नेशनल हाईवे 730 पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में सात पुरुष और दो महिलाएं बताईं जा रही हैं। हादसा ट्रक और मैजिक गाड़ी की टक्कर से हुआ। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। घायलों का नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुबह करीब आठ बजे हुए भीषण हादसे ने अधिकारियों की नींद भी उड़ा दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस फोर्स पहुंचा। मौके पर बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को सीएचसी खमरिया में पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने आठ घायलों को मृत घोषित कर दिया। घायलों का इलाज किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि मैजिक गाड़ी में 12 लोग सवार थे। तीन मृतकों की शिनाख्त हो गई हैं। इनमें जयवीर सिंह पुत्र पेशकार सिंह, अदनाम पुत्र वकील और पवन और संतोष शामिल हैं। जयवीर और पवन बहराइच के रहने वाले हैं। जबकि अदनान धौरहरा के निवासी थे। पुलिस अन्य मृतकों की पहचान कराने के प्रयास कर रही है।

सासाराम रेलवे स्टेशन पर पटना पैसेंजर ट्रेन की बोगी में लगी आग, शॉर्टसर्किट की आशंका

सासाराम। पंडित दीनदयाल उपाध्याय-गया रेलखंड के सासाराम रेलवे स्टेशन पर सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक सवारी गाड़ी अचानक धधक उठी। सासाराम से आरा होकर पटना जाने वाली पैसेंजर ट्रेन में अचानक आग लगने से प्लेटफॉर्म और ट्रेन में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना सोमवार की सुबह करीब छह बजे की बताई जा रही है।

इस घटना में पैसेंजर ट्रेन की एक बोगी पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जिसे बाद में ट्रेन से अलग कर दिया गया। वहीं, आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है और रेल प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी यात्री को नुकसान नहीं पहुंचा है।

इस हादसे पर अब रेलवे का भी बयान सामने आया है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि आज प्रात: लगभग 05:30 बजे सासाराम स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर खड़ी गाड़ी संख्या 53212 डाउन सासाराम-पटना पैसेंजर ट्रेन के एक कोच से धुआं निकलने की सूचना प्राप्त हुई। उस समय ट्रेन प्लेटफॉर्म पर स्थिर अवस्था में खड़ी थी तथा संबंधित कोच में कोई यात्री मौजूद नहीं था। सूचना मिलते ही स्टेशन पर तैनात रेलकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुबह 06:00 बजे धुआं निकल रहे कोच को अलग कर दिया तथा फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। रेलकर्मियों और फायर ब्रिगेड की तत्परता से सुबह 6:05 बजे स्थिति पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

संपादकीय

बात-बेबात और विवाद

संवेदनशील विषयों पर अभिव्यक्ति में सतर्कता जरूरी

इसमें दो राय नहीं कि देश के प्रतिष्ठित व शीर्ष पदों पर विराजमान व्यक्तियों को अपने संस्थानों व सार्वजनिक मंचों पर अपनी बात रखने में अतिरेक में सावधानी बरतनी चाहिए। उससे निकलने वाले शब्दों के अर्थों के कई मायने निकाले जा सकते हैं। ऐसी ही चर्चा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के हालिया बयानों को लेकर हुई। बताया जाता है कि एक अधिवक्ता द्वारा सीनियर का दर्जा दिए जाने के बाबत दायर याचिका पर खिन्न मुख्य न्यायाधीश ने प्रासंगिक संदर्भ में जो कहा, उसको लेकर सवाल उठे। बताया जा रहा है कि 'उन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि समाज में पहले से ऐसे परजीवी हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं, और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं कुछ युवा ऐसे हैं, जो रोजगार नहीं मिलने और पेशे में जगह न बना पाने के कारण 'कॉकरोच' की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उसमें से कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।' निश्चय ही हाल के वर्षों में संपादक विहीन सोशल मीडिया में लोगों के अराजक व्यवहार को देखते हुए यह भले ही यह सत्य न हो, कुछ लोग इसे अर्धसत्य बताते हैं। लेकिन न्याय व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से इस विषय पर संवेदनशील ढंग से अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, बाद में जस्टिस सूर्यकांत ने 'कॉकरोच' वाले बयान पर कहा है कि 'मीडिया ने उनके शब्दों को गलत ढंग से पेश किया।'

"बताया जाता है कि एक अधिवक्ता द्वारा सीनियर का दर्जा दिए जाने के बाबत दायर याचिका पर खिन्न मुख्य न्यायाधीश ने प्रासंगिक संदर्भ में जो कहा, उसको लेकर सवाल उठे। बताया जा रहा है कि 'उन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि समाज में पहले से ऐसे परजीवी हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं, और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं कुछ युवा ऐसे हैं, जो रोजगार नहीं मिलने और पेशे में जगह न बना पाने के कारण 'कॉकरोच' की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उसमें से कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।' निश्चय ही हाल के वर्षों में संपादक विहीन सोशल मीडिया में लोगों के अराजक व्यवहार को देखते हुए यह भले ही यह सत्य न हो, कुछ लोग इसे अर्धसत्य बताते हैं। लेकिन न्याय व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से इस विषय पर संवेदनशील ढंग से अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने अपनी मौखिक टिप्पणी के बाबत कहा कि उनकी बातों को इस तरह पेश किया गया जैसे उन्होंने देश के युवाओं की आलोचना की हो। उनका कथन था कि उनकी टिप्पणी केवल उन लोगों के खिलाफ थीं, जिन्होंने फर्जी या नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य सम्मानित पेशों में घुस आए हैं, इसलिए परजीवियों की तरह हैं। उनका इशारा न्यायापालिका पर होने वाले अनुचित हमलों की तरफ था। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जाने वाली सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानूनी डिग्रियों की प्रमाणिकता पर संदेह है। लेकिन इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों व सोशल एक्टिविस्ट ने सीजेआई की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी हैं। राज्यसभा में एक राजद सांसद ने सार्वजनिक चिट्ठी लिखकर मुख्य न्यायाधीश की भाषा को लेकर चिंता जतायी। उनका कहना था कि बेरोजगारों, आरटीआई कार्यकर्ताओं, मीडिया कर्मियों और असहमति व्यक्त करने वालों की तुलना 'कॉकरोच' व 'परजीवी' से करना लोकतंत्र की मूल आत्मा और उसकी बुनियादी संवैधानिक संस्कृति को आहत करने वाला लगता है। आलोचकों का कहना है कि न्यायपालिका से आशा की जाती है कि वह संवैधानिक संयम व गरिमा की अंतिम शरणस्थली बनी रहे। एक आरटीआई कार्यकर्ता का मानना है कि प्रश्न पूछने का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है, ये व्यवस्था पर हमला नहीं, बल्कि उसे मजबूत बनाये रखने में भूमिका है।

बहुपक्षवाद का संकट और डब्लूटीओ में सुधार की अनिवार्यता

राजेश अग्रवाल

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली औचित्य के गहरे संकट का सामना कर रही है। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध और इक्कीसवीं सदी की शुरुआत में, विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) वैश्विक व्यापार का केंद्रीय स्तंभ था, जो नियम-आधारित व्यवस्था की पेशकश करने के साथ तटस्थता, पूर्वानुमेयता और निष्पक्षता का वादा करता था। हालांकि आज, ये वादे काफी कमजोर प्रतीत होते हैं। डब्लूटीओ में विश्वास की कमी, किसी एक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संरचनात्मक असंतुलन, असमान प्रवर्तन और वैश्विक आर्थिक शक्ति के बदलते स्वरुप के संचयी प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है।

इस संकट के मूल में है - वैश्विक उत्पादन का अत्यधिक केंद्रीकरण और आक्रामक व्यापार प्रथाओं की निरंतरता। समय के साथ, आपूर्ति श्रृंखलाएँ परस्पर अत्यधिक निर्भर हो गई हैं और उनका वितरण भी असमान है, जहाँ कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अनुपात से कई गुनी ज्यादा नियंत्रण रखती हैं। हालांकि, इस केंद्रीकरण ने कुछ मामलों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक कुशल बना दिया है, लेकिन इसने उन्हें काफी हद तक कमजोर भी बना दिया। व्यवधान—चाहे भू-राजनीतिक हो, आर्थिक हो, या पर्यावरण-संबंधी हों—अब प्रणालीगत नतीजे लेकर आते हैं। परिणामस्वरूप, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी अब केवल एक आर्थिक चिंता के रूप में नहीं देखी जाती; इसे अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक अस्तित्व के मामले के तौर पर देखा जाने लगा है।

धारणा में हुए बदलाव ने नीतिगत प्रतिक्रियाओं की एक ऐसी लहर को जन्म दिया है, जो बहुपक्षवाद के मौलिक सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। देश घरेलू हितों की रक्षा के लिए संरक्षण उपायों, आक्रामक औद्योगिक नीतियों और निर्यात नियंत्रण को अपना रहे हैं। हालांकि ऐसी रणनीतियाँ अल्पकालिक सहनशीलता ला सकती हैं, लेकिन वे डब्लूटीओ की सहयोग भावना और कानूनी रूपरेखा को अक्सर कमजोर कर देती हैं। तकनीकी अवरोध, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण और भू-राजनीतिक प्रभाव के उपकरण के रूप में बाज़ार पहुंच का बढ़ता उपयोग एक व्यापक परिवर्तन का संकेत देता है: व्यापार अब केवल आर्थिक लेन-देन ही नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के बारे में है।

डब्लूटीओ सदस्यों के बीच एक व्यापक रूप से मान्य दृष्टिकोण यह है कि संगठन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को उनके प्रतिबद्धताओं के प्रति जवाबदेह ठहराने में अक्षम रहा है और इसने वर्तमान स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब नियम असमान रूप से लागू किए जाते हैं या प्रवर्तन तंत्र विफल हो जाते हैं, तो प्रणाली में विश्वास कमजोर हो जाता है। कई देशों में, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों में, यह धारणा मजबूत हुई है कि डब्लूटीओ अब एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करता। इसके बजाय, इसे एक ऐसे संस्थान के रूप में देखा जाता है, जो तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति अनकूल होने के लिए संघर्ष कर रहा है।

इस संदर्भ में, सुधार प्रयासों का केंद्रीय उद्देश्य डब्लूटीओ की विश्वसनीयता को बहाल करना हो गया है। यद्यपि डब्लूटीओ सुधार की आवश्यकता पर सदस्यों के बीच व्यापक सहमति है, फिर भी इसे हासिल करने के तरीके पर सहमति न के बराबर है। सुधार की संरचना और विषय वस्तु पर बहसें लगातार विवादास्पद होती जा रही हैं। याओंडे के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, सदस्यों ने डब्लूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जिनमें निष्पक्षता, पारदर्शिता, समावेश और सहमति-आधारित निर्णय शामिल हैं। इन सिद्धांतों ने लंबे समय से डब्लूटीओ को अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अलग बनाये रखा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी सदस्य, चाहे उनका आकार या उनकी आर्थिक शक्ति कुछ भी हो, वैश्विक व्यापार नियमों को अंतिम रूप देने में अपनी बात रख सकें। हालांकि, इन सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को, विशेष रूप से बहुपक्षीय समझौतों से जुड़ी चर्चाओं में, समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ये समझौते डब्लूटीओ सदस्यों के उपसमूहों के बीच बातचीत के बाद तैयार किए गए हैं। इन्हें कई देश—विशेष रूप से वैश्विक उत्तर के देश सहमति-आधारित नियम निर्माण की चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान मानते हैं। ऐसी सदस्यता के लिए, जहां विकास स्तर और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में व्यापक असमानताएँ मौजूद हैं, जटिल मुद्दों पर सर्वसम्मति प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। बहुपक्षीय समझौते आगे बढ़ने का एक तरीका प्रदान करते हैं, जिससे इच्छुक प्रतिभागी नए नियम स्थापित कर सकते हैं, इसमें उन देशों को रुकावट नहीं माना जाता, जो प्रतिबद्ध होने के लिए अभी तैयार नहीं हैं, ऐसी ही प्रणाली डब्लूटीओ से पहले गैट, 1947 (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) के तहत अस्तित्व में थी।

इस मुद्दे पर भारत का रुख एक सावधानीपूर्वक तैयार संतुलनकारी कार्य को दर्शाता है। नियम-निर्माण को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय समझौतों की क्षमता को स्वीकार करते हुए भारत ने लगातार मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की है, ताकि ऐसे समझौतों द्वारा बहुपक्षीय प्रणाली को कमजोर न होना सुनिश्चित हो सके। बहुपक्षीय समझौतों को प्रमुख डब्लूटीओ सिद्धांतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए, मौजूदा कार्यादेश को कमजोर नहीं करना चाहिए या गैर-प्रतिभागी सदस्यों के लिए नुकसानदेह नहीं होना चाहिए। उन्हें बहुपक्षीय रूपरेखा की जगह लेने के बजाय एक पूरक भूमिका निभानी चाहिए। भारत एक तदर्थ, समझौता-दर-समझौता मॉडल के बजाय बहुपक्षीय समझौतों को डब्लूटीओ संरचना में समेकित करने के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

सुधार बहस का एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा, संगठन के पिछले कार्यादेशों को पूरा करने में विफलता से संबंधित है। यह कई विकासशील देशों के लिए असंतोष का एक प्रमुख कारण रहा है। ये अधूरी प्रतिबद्धताएं—जिनमें कृषि, विकास और विशेष व्यवहार प्रावधानों जैसे क्षेत्र शामिल हैं —केवल नियम बनाने की कमियों को ही नहीं दर्शातीं, बल्कि वैश्विक व्यापार प्रणाली में लंबे समय से मौजूद असमानताओं को दूर करने के अवसरों की चूक को भी उजागर करती हैं।

विशेष रूप से कृषि, इन असंतुलनों की गंभीरता को दर्शाती है। विकसित देशों ने अपने कृषि क्षेत्रों को सब्सिडी देने में महत्वपूर्ण लचीलापन बनाए रखा है, जिससे उनके किसान वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहते हैं। वहीं, विकासशील देशों को अपने किसानों को दिए जाने वाले समर्थन के प्रकारों और स्तरों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। यह विषमता संरचनात्मक असुविधाओं को बनाए रखती है, वैश्विक दक्षिण में लाखों लोगों की आजीविका को कमजोर करती है और वैश्विक व्यापार प्रवाह को विकृत करती है।

विशेष और विभेदपूर्ण व्यवहार (एस एंड डीटी) पर बहस डब्लूटीओ सुधार की जटिलताओं को और अधिक उजागर करती है। एस एंड डीटी मूल रूप से सबसे कम विकसित और विकासशील देशों को गैर-पारस्परिक बाजार पहुँच और व्यापार प्रतिबद्धताओं को लागू करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो अब एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। कुछ विकसित देशों का तर्क है कि स्व-निर्धारण की मौजूदा प्रणाली अपेक्षाकृत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को उन प्रावधानों से लगातार लाभ उठाने की अनुमति देती है, जो कम विकसित राष्ट्रों के लिए बनाए गए थे। भारत इन चिंताओं को स्वीकार करता है, लेकिन सकल आर्थिक आकार जैसे मनमाने पैमानों पर आधारित सरल समाधानों के प्रति आगाह भी करता है।

इसके बजाय, ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि एस एंड डीटी वास्तविक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बना रहे। इसके लिए एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है ऐसा दृष्टिकोण, जो विकासशील दुनिया में मौजूद आर्थिक स्थितियों की विविधता को मान्यता देता हो और उसी के अनुसार लचीलापन तैयार करता हो। यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है, क्योंकि कई विकसित देशों ने कृषि सब्सिडी अधिकारों के संदर्भ में, जिसे कभी-कभी विपरीत एस एंड डीटी कहा जाता है, का फायदा उठाना जारी रखा है।

अंततः, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का भविष्य इसके सदस्यों की प्रतिस्पर्धी हितों को सुलझाने और साझा संस्थानों में विश्वास पुनः स्थापित करने की क्षमता पर निर्भर करता है। चुनौतियाँ कठिन हैं, लेकिन हित इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। एक कमजोर डब्लूटीओ से एक विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म देने का खतरा है, जो एकपक्षीय और शक्ति-आधारित सौदेबाज़ी पर आधारित हो सकती है। इसके विपरीत, सुधार किये गये और फिर से सशक्त बनाये गये डब्लूटीओ में एक अधिक सुदृढ़, समावेशी और सहयोगात्मक वैश्विक व्यवस्था को आधार प्रदान करने की क्षमता है।

भारत की व्यापक व्यापार रणनीति, बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समझौतों के साथ जोड़ती है। जैसे-जैसे व्यापार नीति जटिल होती जा रही है जिसमें नियामक मानक, डिजिटल शासन और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण शामिल है समान विचारधारा वाले भागीदारों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मजबूत आर्थिक एकीकरण के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरे हैं। संतुलित, समावेशी और भविष्य केंद्रित सुधारों को समर्थन देकर, भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि डब्लूटीओ तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिक बना रहे—एक ऐसा संस्थान, जो न केवल व्यापार को प्रबंधित करने में सक्षम हो, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक आर्थिक भविष्य को आकार देने की भी क्षमता रखता हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डब्लूटीओ व्यवसायों को निश्चितता, पूर्वानुमेयता, समावेशिता, समानता और सरलता प्रदान करता है, यानि नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था।

लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं

प्लेसमेंट पाने के लिए फ्रेश इंजीनियर्स को कौन-सा रास्ता अपनाना चाहिए

एन. रघुरामन

सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने के लिए, खासकर स्टार्टर्स के लिए तो यह बहुत मुश्किल दौर है, है ना?' अगर कोई चेहरे पर व्यंग्यपूर्ण मुस्कान के साथ आपसे ऐसी संवेदना जताए तो आपको भी और ज्यादा मुस्कुराते हुए जवाब देना चाहिए कि 'चिंता करने के लिए धन्यवाद। लेकिन मुझे पता है कि इस मुश्किल बाजार में कैसे घुसना है और कैसे अच्छी प्लेसमेंट हासिल करनी है, ठीक वैसे ही जैसे अभिमन्यु चक्रव्यूह में घुसा था।'

सामने वाला यह भी नहीं कह पाएगा कि उसे तो बाहर निकलना आता ही नहीं था, क्योंकि अमेजन जैसी कंपनी में नौकरी मिलने पर बाहर कौन आना चाहता है? ठीक ऐसा ही मेरे एक दोस्त के बेटे ने किया, जो इस साल पासआउट होने वाला है। जब मेटा प्लेटफॉर्म्स, कॉइनबेस, ब्लॉक और क्लाउडफ्लेयर जैसी कई टेक कंपनियां एआई रीस्ट्रक्चरल प्लान के तहत नौकरियों में कटौती की घोषणा कर रही थीं, तब इस युवक ने पूरा फोकस अमेजन पर रखा। 'इतने कठिन बाजार में नौकरी कैसे मिलेगी?'

काउंसलर्स से ऐसे सामान्य से सवाल पूछने के बजाय उसने सीधा पूछा कि 'अमेजन में एंट्री पाने के लिए क्या करना चाहिए?' उसने कभी सैलरी, पद या लोकेशन की चिंता नहीं की। उसने खुद से कहा कि 'पहले मैं कंपनी में एंट्री करूंगा, फिर अपनी स्पीड और एआई की समझ से टॉप मैनेजमेंट को चौंका दूंगा।'

उसने अपने आसपास ऐसे पोस्टर्स लगाने शुरू किए- 'अप्रैल 2026 में साल-दर-साल आईटी और कंप्यूटर साइंस की जॉब पोस्टिंग 14.2% बढ़ी हैं।' उसके दूसरे पोस्टर में था कि ' एआई आज भी कोडिंग में बहुत-सी गलतियां करता है, इसलिए मैं क्वालिटी एश्योरेंस की सेवाएं दे सकता हूं।'

मोबाइल में वॉलपेपर लगाए गए इसी पोस्टर ने इंटरव्यू में उसकी मदद की। जब उससे पूछा गया कि 'एआई कैसी गलतियां करता है और आप कैसे मदद कर सकते हैं?' तो उसने पूरे आत्मविश्वास से जवाब दिया और नौकरी हासिल कर ली। हाल ही अमेजन वेब सर्विसेज के सीईओ मैट गार्मन ने भी सार्वजनिक रूप से कहा कि पिछले वर्षों की भांति कंपनी 2026 में भी 11 हजार सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग इंटर्न्स और शुरुआती स्तर के कर्मचारियों की भर्ती करेगी।

उनका अनुमान है कि ईरान युद्ध अगर अगस्त तक खत्म हो जाता है तो कोविड के बाद पहली बार आईटी जॉब मार्केट फिर बढ़ेगा। यह तब है, जब कंपनी 16 हजार नौकरियां कम कर रही है। विशेषज्ञों से बात करने के बाद उस युवक ने समझ लिया था कि टेक कंपनियों को आज भी ऐसे इंसानों की जरूरत है, जो कंपनी को अधिक तेजी से ऊपर उठाने में मदद कर सकें।

आउटप्लेसमेंट फर्म 'चैलेंजर ग्रे एंड क्रिसमस' के चीफरेवेन्यू ऑफिसर एंडी चैलेंजर ने एक साक्षात्कार में कहा कि 'यह एक दिलचस्प विरोधाभास है। जो लोग एआई की मदद से प्रोग्राम बना सकते हैं, कंपनी के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ सकते हैं और कोडिंग के जरिए ये सभी सेवाएं दे सकते हैं, उनकी मांग पहले से कहीं अधिक है। क्योंकि, वे बहुत अधिक काम बहुत जल्दी कर सकते हैं।' अचंभा नहीं कि इसीलिए वह युवक 'स्पीड' की बात कर रहा था।

एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर बॉक्स के सीईओ एरन लेवी ने कहा कि उन्हें लगता है कि कई टेक कंपनियां ज्यादा इंजीनियर्स की भर्ती कर रही हैं, लेकिन अब नई तरह की तकनीकी भूमिकाओं की जरूरत है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि अब नई भूमिकाएं उभर रही हैं। वे खुद ऐसे व्यक्ति को नियुक्त कर रहे हैं, जो कंपनी के पूरे टेक्निकल इंफ्रास्ट्रक्चर में एआई सिस्टम्स को जोड़ सके, क्योंकि एआई को लागू करना काफी जटिल है। उन्हें पूरा भरोसा है कि प्रत्येक बैंक, फार्मास्युटिकल कंपनी, हेल्थकेयर सर्विस प्रोवाइडर और हर मैन्युफैक्चरर बड़ी संख्या में 'इम्प्लीमेंटिंग एजेंट्स' भर्ती करने वाला है।

फंडा यह है कि नौकरियां खत्म होने जैसी नकारात्मक खबरों पर ध्यान मत दीजिए। फोकस इस पर रखिए कि किसी खास कंपनी में एंट्री कैसे मिले और वहां जाकर आप क्या कमाल कर सकते हैं। फिर देखिए, फ्रेश ग्रेजुएट होने के बावजूद कैसे आप कंपनी में सबसे महत्वपूर्ण बन जाते हैं।

पंजाब कांग्रेस के लिए केरल से सबक लेना जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

राजनीति में त्वरित व स्पष्ट निर्णय लेने जरूरी होते हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसा न करके मौके चूक रही है। केरल विधानसभा चुनाव में बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री चयन में देरी और गुटबाजी दिखी। वहीं पंजाब में गुटों में बंटी कांग्रेस चुनावी तैयारी को लेकर राहुल गांधी के फैसले का इंतज़ार कर रही है। शायद पंजाब कांग्रेस को केरल के सतीशन प्रसंग से सबक लेना चाहिए।

अच्छी-भली जीत को हार में बदलने का कांग्रेस पार्टी को मानो शौक ही है, राज्यों के हालिया विधानसभा चुनावों में यह काफी अच्छी तरह देखने को मिला; केरल में सबसे ज्यादा। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का नेतृत्व करते हुए 140 विधायकों वाली विधानसभा में 102 सीटें जीत ज़बर्दस्त बहुमत पाने के बावजूद दस दिन लग गए मुख्यमंत्री तय करने में, आखिर ,छह बार के विधायक वी.डी. सतीशन को अपना 'मुख्यमंत्री-निर्वाचित' घोषित कर जनता के बीच और अधिक किरकिरी होने से बचाया।

यहां तक कि राहुल गांधी को भी यह अहसास हो गया था कि अपने सबसे खास सिपहसालार को 'ईश्वर के अपने देश' (केरल) में बतौर मुख्यमंत्री भेजना-यानी शक्तिशाली पार्टी महासचिव और संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल को,जिन्हें इस पुरानी व बड़ी पार्टी के सबसे ताकतवर नेता के 'आंख-कान' कहा जाता है-केरल के लोगों को बिल्कुल रास नहीं आएगा। हां, अगर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा ही दिया जाता तो शायद लोग सुबह की कॉफी के साथ यह कड़वा घूंट निगल लेते। आखिरकार, जीतकर आए ज़्यादातर विधायक हफ्ता-दस दिन पहले तक वेणुगोपाल के ही खेमे में थे।

और फिर विरोध की आवाज़ें तेज़ होती गईं और माहौल बदल गया। लगता है कि वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने दखल दिया, जिससे निश्चित ही मदद मिली होगी। लेकिन असहमति का यह सुर दबा हुआ था-क्योंकि आखिर लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ कौन खुलकर बोलने की हिम्मत करता? वह नेता जिसकी जियु-जित्सू मार्शल आर्ट की महारत, दुनिया के उनके नज़रिए का इतना अहम हिस्सा है, कि हाल ही में उन्होंने हिमाचल प्रदेश में संपन्न एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान पंजाब कांग्रेस के नेताओं प्रताप बाजवा और राजा वड़िंग से दंड-बैठकें लगवा दीं; लेकिन उस खबर के लिए आपको मेरे सहयोगी राजमीत सिंह का लेख पढ़ना होगा- अंततः वडासेरी दामोदरन सतीशन के पक्ष में माहौल बन गया (उनके नाम का पहला भाग वडासेरी, जिसे थरावड भी कहते हैं, घर का नाम है, बीच वाला उनके पिता का नाम व आखिरी अंश उनका अपना नाम है)।

लेकिन ठीक उसी तरह, जैसे केरल के कांग्रेसी महिला व पुरुष गुरुवायूर में देवता के चरणों में नारियल फोड़ते हैं-विधायकों को सतीशन के पक्ष में झुकना पड़ा, इस तथ्य के मद्देनज़र कि अगले पांच साल तक उन्हें नहीं बल्कि राहुल गांधी को वेणुगोपाल से सीधे तौर पर बरतना है;साथ ही, दिल्ली में जो कुछ होता है, वह दिल्ली में ही रहना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता दत्तात्रेय होसबाले ने गत सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तान को लेकर सनसनीखेज बयान दिया कि : 'पुलवामा हमले जैसी 'छिटपुट घटनाओं' के बावजूद,लोगों के आपसी संवाद का अधिकाधिक मौका देकर कोशिश की जानी चाहिए। नागरिक स्तर के संबंध कारगर हो सकते हैं, क्योंकि हम एक ही राष्ट्र रहे हैं। देश की सुरक्षा और आत्म-सम्मान कायम रहे, लेकिन हमें दरवाज़े बंद करने की ज़रूरत नहीं। सदा उनसे संवाद को तैयार रहना चाहिए। व्यापार, वाणिज्य और वीज़ा जारी करना बंद न हो। बातचीत के लिए सदा खिड़की खुली रहे'। होसबाले ने यह साक्षात्कार न्यूज एजेंसी पीटीआई को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के चंद दिन बाद दिया।

यह कथन कई कारणों से खास है। पहला,बतौर संघ 'सहकार्यवाह' यानी संगठन में दूसरे सबसे वरिष्ठ व्यक्ति होसबाले एक शक्तिशाली नेता हैं, जिनके शब्दों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दूसरा, यह इसका संकेत है कि आरएसएस समकालीन मुद्दों से लगातार जुड़ा रहता है। तीसरा, भले ही ये टिप्पणी सरकार की इस लीक से अलग हो कि 'आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते', फिर भी इस कथन को उस नीति की पुनर्समीक्षा की ज़मीन तैयार करने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। (फिलहाल, ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ) चौथा, ये साक्षात्कार न्यूज़ एजेंसी को दिया गया, जिससे संकेत मिलता है कि आरएसएस की मंशा थी कि साक्षात्कार बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंच सके। पांचवां, यह टिप्पणी होसबाले के अमेरिका से लौटने के तुरंत बाद आई है; वे शायद वहां कई तरह के लोगों से मिले होंगे, जिन्होंने उन्हें पाकिस्तान और चीन के संदर्भ में बदलते वैश्विक परिदृश्य का बोध करवाया होगा-याद रहे, अमेरिका में आरएसएस की मज़बूत मौजूदगी है और वह भारतीय मूल के लोगों के एक बड़े तबके से गहराई से जुड़ा है। छठा, उनके कथन पर एक तरह से चुप्पी छाई रही, जिससे पता चलता है कि देश अभी भी उनके शब्दों का भार जज़्ब करने की कोशिश कर रहा है। सातवां, केवल पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज नरवाणे और जम्मू-कश्मीर के नेता फारूक़ अब्दुल्ला ने उनकी कही बात का स्वागत किया। फ़ारूक़ अब्दुल्ला ने कहा:'अपनी समस्याएं सुलझाने को हमें सदा बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए'। आठवां, पाकिस्तान ने इन टिप्पणियों को 'सकारात्मक घटनाक्रम' बताया व उम्मीद जताई कि भारत में 'समझदारी' बनी रहेगी।

निश्चित रूप से, पाकिस्तान को 'ऑपरेशन सिंदूर' से एक रणनीतिक सबक सीखना चाहिए -कि वह जब चाहे अपनी मर्ज़ी से, आतंकवाद का नल खोल या बंद नहीं कर सकता; कई दशकों से रावलपिंडी मुख्यालय में बैठे पाकिस्तानी फौजी जनरलों की साजिशों से भारत को बहुत ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ा। पंजाब से बेहतर यह कोई नहीं जानता; सीमावर्ती राज्य होने के नाते, पंजाब ने पाकिस्तान की उस रणनीति का सर्वाधिक खमियाज़ा भुगता, जिसके तहत वह 'हज़ार घाव देकर भारत को लहूलुहान करते रहने' की नीति जारी रखे है-अपनी सुविधानुसार आतंकवाद कभी गैंग-वाद का रूप धर लेता है, तो कभी जानलेवा नशीले पदार्थों की तस्करी का। ज़ाहिर है, पाकिस्तान को यह अहसास नहीं होने दिया जा सकता कि उसे बरी कर दिया गया, भले ही डोनाल्ड ट्रंप अपने 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' को डोरे डाल रहे हों।

और गत सप्ताह की विडंबना यही रही-कि कांग्रेस, जो एक स्व-घोषित धर्मनिरपेक्ष संगठन है, उसने होसबाले के पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने के कदम का स्वागत करने के बजाय टालमटोल वाली आलोचना की है। वहीं दूसरी ओर, आरएसएस, जो खुद को हिंदुत्व का स्वयंभू पैरोकार मानती है,'अखंड भारत' का तर्क देते हुए पाकिस्तान के मुसलमानों की ओर हाथ बढ़ा रही है, यह कहकर :'चूंकि हम एक राष्ट्र रहे हैं',लिहाजा हमें उनसे बातचीत करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए।

आप यह सवाल पूछ सकते हैं: कांग्रेस सही काम करने से इतना क्यों डरती है? केरल में वह किसी तरह खुद को बचा पाई, लेकिन तमिलनाडु में उसने अपने पुराने सहयोगी डीएमके को छोड़कर सत्ताधारी टीवीके से गठबंधन कर लिया-जबकि टीवीके को अब कांग्रेस की भी ज़रूरत नहीं रही, अब उसके पास भाजपा की पुरानी सहयोगी, किंतु अब अलग हो चुकी, एआईएडीएमके से टूटे एक गुट का समर्थन है। वहीं बंगाल में, उसने ममता बनर्जी की टीएमसी के विरुद्ध चुनाव लड़कर 'इंडिया' गठबंधन को भंग कर डाला- जिससे विपक्षी वोटों का बंटवारा हो गया- और यह सब सिर्फ़ इस खातिर कि टीएमसी की हार से राहुल गांधी अपने कार्यकर्ताओं का मुंह बंद करा सकेंगे।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

डीएसपी आकर्षी ने सेंट-डेनिस इंटरनेशनल में रजत जीता

भिलाई। इंटरनेशनल बैडमिंटन खिलाड़ी और दुर्ग में डीएसपी पद पर कार्यरत आकर्षी ने सेंट–डेनिस रीयूनियन इंटरनेशनल चैलेंज 2026 में रजत पदक जीता। पदक हासिल करने के बाद आकर्षी ने अपने विभाग, पुलिस विभाग और प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें हर समय सहयोग और समर्थन मिला, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकीं। आकर्षी ने एनटीपीसी कोरबा और हीरा ग्रुप रायपुर को भी धन्यवाद दिया और बताया कि इन संस्थानों ने उनकी बैडमिंटन यात्रा में लगातार सहयोग किया है।

विधायक रिकेश के बड़े भाई दिनेश सेन का निधन, अंतिम संस्कार आज शाम

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई दिनेश सेन का देर रात (17 मई 2026) निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर है। अंतिम यात्रा आज दिनांक 18 मई 2026, सोमवार को शाम ठीक 4 बजे उनके निवास स्थान 'खंडेलवाल जैन भवन के पीछे' से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। दिनेश के आकस्मिक निधन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों और शुभचिंतकों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

कलेक्टर कार्यालय के बदले गए सभी अग्निशमन यंत्र

दुर्ग। कलेक्टर कार्यालय में लगे अग्निशमन यंत्रों को आखिरकार बदल दिया गया। सभी पुराने फायर एक्सटिंगिवीशर को हटा दिया गया है। कार्यालय के लिए 8 नए फायर एक्सटिंगिवीशर खरीदा गया। जैम पोर्टल से अग्निशमन यंत्रों की सप्लाई करने वाले ठेकेदार की तलाश की गई। इसके बाद उसे आर्डर देकर नए अग्निशमन यंत्र खरीदा गया। जानकारी के मुताबिक 48 हजार कीमत के नए यंत्र खरीदकर लगाए गए है। इस बार आधुनिक यंत्रों को खरीदा गया है। कार्यालय में एक यंत्र को छोड़कर बाकी सभी एक्सपायर हो चुके थे। एक्सपायर हो चुके अग्निशमन यंत्र आग लगने की घटना में आग बुझाने में या तो नाकाम रहते हैं या कम प्रभावी होते हैं।

एक निश्चित अवधि के बाद खुद ही शरीर में घुल जाएंगे मेटल के प्लेट और स्क्रू, दोबारा सर्जरी नहीं करनी पड़ेगी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के शोधकर्ताओं ने बायोडिग्रेडेबल इम्प्लांट (शरीर में स्वत: घुलने वाले इम्प्लांट) विकसित करने की स्वदेशी तकनीक खोजकर चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के 'एडवांस्ड मटेरियल्स डेवलपमेंट एंड कैरेक्टराइजेशन ग्रुप' ने टाइटेनियम कोटिंग के साथ मैग्नीशियम मिश्र धातु आधारित एक ऐसा इम्प्लांट तैयार किया है, जो उपचार प्रक्रिया पूरी होने के बाद मानव शरीर के भीतर सुरक्षित रूप से घुलने में सक्षम है।

डॉ. जोस इमानुएल के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र विग्नेश आर. के नेतृत्व में इस शोध दल ने चिकित्सा विज्ञान की एक पुरानी चुनौती का समाधान खोजा है। दरअसल, मैग्नीशियम मिश्र धातु हड्डियों के उपचार के लिए

बेहतरीन माने जाते हैं, लेकिन शरीर के भीतर इनका क्षरण बहुत तेजी से होता है। शोध टीम ने एक ऐसी तकनीक स्थापित की है जो मैग्नीशियम मिश्र धातु पर टाइटेनियम की एक सघन और पतली परत चढ़ा देती है। यह सफलता धातु के घुलने की दर को नियंत्रित करने में मदद करती है, जिससे उपचार के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान इम्प्लांट की मजबूती बनी रहती है।

विग्नेश ने बताया कि शोध के दौरान यह साबित हुआ है कि टाइटेनियम कोटिंग से बायोडिग्रेडेशन (घुलने) की दर को 7.66 मिमी/वर्ष से घटाकर 2.93 मिमी/वर्ष किया जा सकता है। इसका लाभ यह होगा कि भविष्य में मरीजों को शरीर से हड्डी के पेंच या स्टेंट निकालने के लिए दोबारा सर्जरी के दर्द और खर्च से नहीं गुजरना पड़ेगा। ये इम्प्लांट ठीक होने तक अपनी मजबूती बनाए रखेंगे और बाद में स्वत: ही शरीर में विलीन हो जाएंगे।

साइकिल पर वार्डों का दौरा कर रहे नगर निगम के अधिकारी, दे रहे ईंधन मितव्ययिता का संदेश

संकटकाल में इस तरह राष्ट्र के काम आ सकते हैं आम नागरिक भी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शहर की सफाई व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने और जमीनी हकीकत जानने के लिए नगर निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने पहल की। स्वास्थ्य अधिकारी और जनसंपर्क अधिकारी के नेतृत्व में पूरी टीम ने किसी सरकारी वाहन के बजाय साइकिल से बैकुंठधाम वार्ड का सघन निरीक्षण किया।

इस दौरान टीम ने वार्ड का मुख्य मार्गों के साथ–साथ तंग गलियों में पहुंचकर सफाई व्यवस्था और सुलभ शौचालयों की स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से जावेद अली स्वास्थ्य अधिकारी, तिलेश्वर साहू जनसंपर्क अधिकारी, वीरेंद्र बंजारे सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, भोला साहू पार्षद प्रतिनिधि एवं सुपरवाइजर विनोद सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

साइकिल से भ्रमण करते हुए निरीक्षण दल ने क्षेत्र में स्थित सुलभ शौचालय का औचक निरीक्षण किया। स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने शौचालय में पानी की उपलब्धता, लाइटिंग और नियमित सैनिटाइजेशन की स्थिति को देखा। उन्होंने सफाई सुपरवाइजर को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सार्वजनिक शौचालयों में गंदगी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैकुंठधाम तालाब में बारिश पूर्व चल रहे सफाई व्यवस्था का पूरी टीम ने निरीक्षण किया, सफाई कार्य लगातार जारी है। कचरा लेने हेतु घरों में जाने वाले रिक्शा का समय प्रबंधन एवं समय सारणी चेक किया गया। सभी रिक्शा को जीपीएस से मॉनिटरिंग करने की कोशिश की जारी है जिससे समय पर सभी घरों में पहुंचा जा सके। घरों से निकलने वाले कचरे का पृथक्करण करके दिए जाने हेतु चेक किया गया।

निगम प्रशासन द्वारा कचरा पृथक्करण के संबंध में आम नागरिकों से लगातार अनुरोध किया जा रहा है किंतु अभी भी ज्यादातर शहरवासी गीला और सूखा कचरा पृथक नहीं करते हैं। कचरा अलग–अलग नहीं करने की गलती के लिए बड़ी पेनल्टी लगेगी अत: सभी सावधान रहें।

साइकिल से निरीक्षण करने का मुख्य उद्देश्य उन गलियों तक पहुंचना था जहाँ गाड़ियां आसानी से नहीं जा पातीं। इसके साथ ही ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण, ट्रैफिक नियंत्रण एवं आर्थिक बचत उद्देश्य है। साथ ही इससे सफाई व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का पता चला है। कमियों को दूर करने के लिए सुपरवाइजर्स को तत्काल निर्देश दिए गए हैं।

दौरे के दौरान पार्षद प्रतिनिधि भोला साहू की मौजूदगी में अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से भी मुलाकात की और उनसे सफाई व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया। नागरिकों ने अधिकारियों को अपनी समस्याएं रखीं, जिसके त्वरित निराकरण के लिए सहायक स्वास्थ्य अधिकारी वीरेंद्र बंजारे को जिम्मेदारी सौंपी गई।

वार्ड 1 से 60 के लिए नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी, काम में आएगी तेजी

- आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अधिकारियों को सौंपी वार्डों की जिम्मेदारी
- आपसी समन्वय एवं त्वरित निराकरण का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शहर के एक से लेकर 60 वार्डों तक नागरिक सुविधाओं की सतत निगरानी एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सचिव द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में यह व्यवस्था लागू की गई है। नियुक्त नोडल अधिकारियों को अपने–अपने वार्डों में सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, विद्युत संबंधी समस्याओं एवं अन्य जनसुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निर्देशित किया है कि सभी नियुक्त नोडल अधिकारी प्रतिदिन अपने प्रभार वाले वार्डों का निरीक्षण करेंगे तथा वार्डों में प्राप्त समस्याओं, शिकायतों एवं उनके निराकरण से संबंधित प्रतिवेदन प्रतिदिन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत करेंगे, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

नगर निगम प्रशासन द्वारा की गई इस पहल से वार्ड स्तर पर कार्यों की मॉनिटरिंग मजबूत होगी, जवाबदेही बढ़ेगी तथा नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे जनहित को प्राथमिकता दें।

पुलिस अधीक्षक के हाथों से मिला एसआर के टेक्नीशियन कोर्स के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। स्थित प्रतिष्ठित चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्से के उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को मार्कशीट वितरण और कानूनी जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों में एसपी विजय अग्रवाल, डॉ संकल्प रॉय (सायबर सेल) ने शिरकत की।

संस्थान में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे–ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन , एक्स–रे टेक्नीशियन और पैथोलॉजी लैब टैक्नीशियन के

79 छात्र छात्राओं का रिजल्ट पास रहा है ।जिसमे पैथोलॉजी के 20 छात्र–छात्राएं ,एक्स–रे टेक्नीशियन में 30 एवं ऑपरेशन थिएटर टेकनीशियन में 30 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी थी। जिसमे पैथोलॉजी में प्रथम ईशा राठौड़,द्वितीय नीलम झांडगे ,तृतीय ओमेश्वरी साहू इसी तरह

ओ.टी.तकनीशियन में प्रथम गोवर्धन पटेल,द्वितीय डॉली जंघेल,तृतीय ,देवनारायण एवं एक्स – रे तकनीशियन प्रथम – भूपेश चंद्राकर, द्वितीय पूरनलाल, तृतीय देवेन्द्र कुमार को प्रमाणपत्र दिया गया। अपनी डिग्री और अंकसूची पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। संस्थान के चेयरमैन संजय तिवारी ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। दुर्ग पुलिस की टीम ने कॉलेज के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को साइबर क्राइम के बढ़ते खतरों, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के तरीकों और सोशल मीडिया सुरक्षा के बारे में विस्तार से समझाया। इसके साथ ही, पुलिस अधिकारियों ने देश में लागू हुए नए बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उपस्थित जनों को बताया गया कि नए कानूनी बदलावों के तहत नागरिकों के क्या अधिकार और कर्तव्य हैं।

निजी स्कूल हुए राजी, शिक्षा के अधिकार के तहत आज से शुरू हो गया गरीब बच्चों का प्रवेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अधिकार कानून को लेकर चल रहा निजी स्कूलों का असहयोग आंदोलन अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। लंबे समय से सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले बैठे निजी स्कूल संचालकों ने गरीब और वंचित बच्चों के हित को देखते हुए बड़ा और संवेदनशील फैसला लिया है।

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने घोषणा की है कि 18 मई से प्रदेश के सभी निजी स्कूल फिर से आरटीई के तहत प्रवेश देना शुरू करेंगे, ताकि किसी भी गरीब बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

निजी स्कूलों ने 1 मार्च से असहयोग आंदोलन शुरु किया था,

इसके बाद 4 अप्रैल को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में स्कूल संचालकों ने सरकार की अनदेखी का आरोप लगाते हुए आरटीई के तहत नए प्रवेश नहीं लेने का निर्णय किया था। संघ का कहना था कि सरकार लंबे समय से प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाने और अन्य मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है, जिसके चलते आंदोलन तेज किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 33 जिलों में से 29 जिलों में आरटीई के तहत 50 प्रतिशत से अधिक सीटें खाली रह गई थीं। निजी स्कूल संगठन ने इसे अपने आंदोलन की सफलता बताया है। संघ का दावा है कि आंदोलन के कारण बड़ी संख्या में प्रवेश प्रभावित हुए और इससे सरकार पर दबाव बना।

जनगणना में पिछड़ने लगे शहरी जिले, भिलाई में अब तक सिर्फ 7.84 फीसद हुआ काम, रायपुर–रायगढ़ भी पीछे

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग/भिलाई। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय जनगणना 2027 की तैयारियां चल रही हैं। राज्यभर में मकान सूचीकरण ब्लॉकों के गठन और सत्यापन का काम चल रहा है। जिसमें बड़े शहरों और नगर निगम क्षेत्रों की रफ्तार काफी धीमी है।

राज्य सरकार की ताजा प्रगति रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में अब तक 60.73 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। कुल 48,742 मकान सूचीकरण ब्लॉकों में से 29,602 ब्लॉकों का सत्यापन और गठन पूरा कर लिया गया है।

हालांकि राजधानी रायपुर, रायगढ़, दुर्ग–भिलाई जैसे शहरी जिले इस अभियान में काफी पीछे चल रहे हैं। रायगढ़ नगर निगम

सबसे निचले पायदान पर है, जहां सिर्फ 4.65 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। वहीं भिलाई नगर में 7.84 और रिसाली में 8.33 प्रतिशत कार्य पूरा हो पाया है।

राजधानी रायपुर की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। यहां कुल 1,964 ब्लॉकों में से सिर्फ 203 ब्लॉकों का काम पूरा हो पाया है, यानी महज 10.34 प्रतिशत प्रगति दर्ज हुई है।

जहां शहरी इलाके पिछड़ रहे हैं, वहीं आदिवासी और ग्रामीण जिलों ने जनगणना तैयारियों में बाजी मार ली है। गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिला 100 प्रतिशत काम पूरा कर राज्य में पहले स्थान पर पहुंच गया है।

इसके अलावा जशपुर में 99.87 और मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी में 99.84 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बेमेतरा में 97.8 और मुंगेली में 96.52 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है।

सटीक जनगणना से पहुंचेगा सुशासन - साय

मुख्यमंत्री साय ने जनगणना कार्य की प्रगति पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि आगामी जनगणना 2027 के आंकड़े भविष्य की योजनाओं, विकास और जनकल्याणकारी नीतियों की मजबूत नींव बनेंगे। बड़े शहरों और नगर निगम क्षेत्रों में धीमी रफ्तार पर अधिकारियों को मैदानी मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ी साहित्य पर विजय मिश्रा की वार्ता का प्रसारण आकाशवाणी से कल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आकाशवाणी रायपुर की साहित्यिक पत्रिका मोर भूइयां के अंतर्गत विजय मिश्रा 'अमित' की वार्ता 'छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास में डॉ पालेश्वर प्रसाद शर्मा का योगदान' का प्रसारण 19 मई को किया जाएगा। विजय मिश्रा के साथ ही इसके अंतर्गत मानसिंह मौलिक की कहानी एवं तोषण चुरेंद्र की कविता का भी प्रसारण होगा।

मोर भूइयां पत्रिका के संपादक आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र कुमार साहू हैं। मोर भूइयां कार्यक्रम के अंतर्गत 19

मई दिन मंगलवार को सुबह 8:30 बजे वार्ता प्रसारण आकाशवाणी रायपुर से होगा। विदीत हो कि डॉ. पालेश्वर शर्मा छत्तीसगढ़ के ऐसे साहित्यकार हैं ,जिन्होंने छत्तीसगढ़ के इतिहास और जनजीवन पर अनेक किताबें लिखी हैं।

उनकी सर्वाधिक चर्चित और बहुपयोगी किताब छत्तीसगढ़ के कृषक जीवन पर केंद्रित है। यह ग्यारह अध्याय में लिखित है। कृषक जीवन की शब्दावली में नौ हजार से अधिक छत्तीसगढ़ी शब्दों को समाहित किया गया है। जिसकी जानकारी वार्ता में दी जावेगी।

उन्होंने बताया कि आकाशवाणी रायपुर के द्वारा प्रसारित पत्रिका कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के ऐसे परीक्षार्थियों के लिए अत्यंत लाभदाई है, जो कि प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर सीजीपीएससी में शामिल हो रहे हैं। उन्हें रायपुर आकाशवाणी के छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों को अवश्य सुनना चाहिए।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

मुख्यमंत्री साय ने 465 करोड़ रुपये के 102 विकास कार्यों की दी सौगात

सुशासन तिहार बना जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और संवेदनशील प्रशासन का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय धमतरी में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को 465 करोड़ रुपये की लागत के 102 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री साय ने 423 करोड़ 52 लाख 56 हजार रुपये लागत के 52 कार्यों का भूमिपूजन तथा 41 करोड़ 50 लाख 48 हजार रुपये से अधिक लागत के 50 कार्यों का लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों के माध्यम से जिले में सड़क, पेयजल, नगरीय अधोसंरचना और जनसुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और त्वरित समाधान की कार्यसंस्कृति के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 1 मई से 10 जून तक आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से गांव-गांव में क्लस्टरवार शिविर लगाकर आम नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया है, जिससे हजारों लोगों को राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार अंत्योदय की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशासनिक पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रारंभ की जाएगी, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे और समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर संभाग में सुशासन तिहार के साथ बस्तर मुन्ने और नियद नेल्लानार 2.0 अभियान भी संचालित किए जा रहे हैं, जिनसे दूरस्थ क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं तथा जरूरतमंदों के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में जनसहभागिता का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को चाबी सौंपकर लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर ड्रीम कॉरिडोर वीडियो एवं मां अभियान की कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन धमतरी एवं लर्निंग जॉय बेंगलुरु के मध्य एमओयू किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धमतरीवासियों को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं। उन्होंने अम्बेडकर चौक धमतरी से रूद्री चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण, धमतरी में पेयजल हेतु इंटेकवेल निर्माण, रानी दुर्गावती चौक से बिलाईमाता मंदिर तक गौरवपथ निर्माण, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुरूद भवन के लिए डेढ़ करोड़ रुपये तथा पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

कार्यक्रम में सांसद महासमुंद रूपकुमारी चौधरी, विधायक कुरूद अजय चन्द्राकर, विधायक धमतरी ओंकार साहू, महापौर रामू रोहरा, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, रायपुर संभाग के कमिश्नर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में साकार हुआ पक्के घर का सपना

रायपुर । अपना पक्का घर केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और नए जीवन की मजबूत नींव होता है। धमतरी में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के दौरान यह भाव उस समय जीवंत हो उठा, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबी सौंपकर उनके वर्षों पुराने सपनों को साकार किया। सुशासन तिहार में भाटगांव की हितग्राही कुमारी यादव एवं लता साहू को मुख्यमंत्री साय के हाथों आवास की चाबी प्रदान की गई। वर्षों तक कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाले इन परिवारों के लिए यह क्षण केवल एक सरकारी योजना का लाभ मिलने भर का नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व से भरे नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक बन गया।

हितग्राही कुमारी यादव ने बताया कि बरसात के दिनों में उनका परिवार लगातार परेशानियों का सामना करता था। कच्चे घर की टपकती छत और कमजोर दीवारों के कारण बच्चों की पढ़ाई और परिवार की सुरक्षा हमेशा चिंता का विषय बनी रहती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने से अब उनका परिवार सुरक्षित महसूस कर रहा है और बच्चों के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है। इसी प्रकार लता साहू ने कहा कि पहले हर मौसम चिंता लेकर आता था, लेकिन अब पक्का घर मिलने से उनके परिवार को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय की भावना के साथ कार्य कर रही है और प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के जीवन में सुरक्षा, स्थायित्व और सामाजिक सम्मान सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को सीधे आमजन तक पहुंचाया जा रहा है तथा जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। यही कारण है कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के साथ-साथ शासन के प्रति विश्वास भी मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ने हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की नई दिशा दी है।

सीएम साय ने दिव्यांशु को किया सम्मानित

10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर दिव्यांशु ने रचा इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अवसर पर रायगढ़ प्रवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टोरेट स्थित सृजन सभाकक्ष में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांशु को मेडल पहनाकर तथा पुरस्कार भेंट कर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

दिव्यांशु देवांगन ने मिस्र की राजधानी कायरो में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2026 में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इतना ही नहीं, उन्होंने विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर रायगढ़, छत्तीसगढ़ और पूरे देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांशु की माता-पिता और दादी से भी मुलाकात की तथा दिव्यांशु की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु की उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से यह साबित कर दिया है कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी विश्व मंच पर देश का नाम रोशन कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को हर संभव प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी ने भी दिव्यांशु देवांगन को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर छत्तीसगढ़ का नाम देश और विदेश में ऊंचा किया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु जैसे खिलाड़ी प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उनकी उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

दिव्यांशु देवांगन की इस उपलब्धि को रायगढ़ जिले के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। कायरो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों के प्रतिभागियों के बीच दिव्यांशु ने अद्भुत एकाग्रता और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए भारत को स्वर्ण पदक दिलाया।

उनके प्रदर्शन ने न केवल भारत को शीर्ष स्थान दिलाया, बल्कि नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास भी रच दिया। दिव्यांशु की सफलता से युवा खिलाड़ियों में नई प्रेरणा जागी है।

खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के खेल परिदृश्य को नई पहचान देगी। रायगढ़ सहित पूरे प्रदेश में दिव्यांशु को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। रायगढ़ के इस होनहार खिलाड़ी की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत और समर्पण से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक लालजीत सिंह राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष शिखा रविंद्र गबेल, महापौर जीवर्धन चौहान, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल, आईजी रामगोपाल गर्ग सहित रायगढ़, कोरबा और जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सुशासन तिहार के दौरान रायगढ़ में एफएसएल लैब का किया शुभारंभ

अत्याधुनिक प्रयोगशाला के शुरू होने से रायगढ़, सक्ती और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों की पुलिस जांच व्यवस्था को मिलेगी बड़ी मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। सुशासन तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ के राजामहल के पास क्षेत्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल लैब) का विधिवत शुभारंभ किया। इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला के शुरू होने से रायगढ़, सक्ती और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों की पुलिस जांच व्यवस्था को बड़ी मजबूती मिलेगी। अब हत्या, दुष्कर्म, आत्महत्या और एनडीपीएस जैसे गंभीर मामलों की वैज्ञानिक जांच के लिए नमूनों को बिलासपुर भेजने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक जांच प्रणाली से मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। आज के समय में अपराधों की जांच केवल पारंपरिक तरीकों से संभव नहीं है। वैज्ञानिक साक्ष्य और फॉरेंसिक जांच अपराधियों तक पहुंचने का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। रायगढ़ में इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला के शुरू होने से पुलिस को बड़ी सुविधा मिलेगी और अपराध अनुसंधान अधिक प्रभावी होगा।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने क्षेत्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला के शुभारंभ को रायगढ़ जिले के लिए ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में कानून व्यवस्था को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक संसाधनों से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ में एफएसएल लैब शुरू होने से अपराध जांच की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। अब स्थानीय स्तर पर ही वैज्ञानिक परीक्षण होने से पुलिस को समय पर जांच रिपोर्ट मिलेगी और पीड़ितों को जल्द न्याय मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक पुलिस को ब्लड सैंपल, विसरा, स्लाइड, मादक पदार्थ, केमिकल और अल्कोहल जांच के लिए बिलासपुर स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे जांच प्रक्रिया में समय लगता था और कई मामलों के निराकरण में देरी होती थी। लेकिन रायगढ़ में क्षेत्रीय एफएसएल शुरू होने के बाद अधिकांश परीक्षण स्थानीय स्तर पर ही संभव होंगे। इससे विवेचना की समय-सीमा घटेगी और लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी।

इस अवसर पर लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर निगम रायगढ़ के महापौर जीवर्धन चौहान, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ग्रामीण अंचल की बेटी बनी प्रेरणाः मुख्यमंत्री साय ने सराहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी जिले के छोटे से ग्राम कंडेल की बेटी कुमारी कुसुम लता बिप्रे ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प से पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा में 97.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में पांचवां स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल धमतरी जिले का गौरव बढ़ाया है, बल्कि ग्रामीण अंचल की बेटियों के लिए प्रेरणा की नई मिसाल भी प्रस्तुत की है।

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत धमतरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुसुम लता को मंच पर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा आगे की पढ़ाई और तकनीकी शिक्षा में सहयोग के उद्देश्य से टैबलेट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज शिक्षा, खेल, विज्ञान और प्रशासन सहित हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और राज्य सरकार उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से निकल रही ऐसी प्रतिभाएं विकसित छत्तीसगढ़ की नई पहचान हैं और सरकार प्रत्येक मेधावी विद्यार्थी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुसुम लता की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि यह ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था, परिवार के संस्कार और विद्यार्थियों की मेहनत का सकारात्मक परिणाम है। साधारण परिवार से आने वाली कुसुम लता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मन में आगे बढ़ने का संकल्प हो, तो परिस्थितियां सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं।

धरमजयगढ़ के गंवरघुटरी में बनेगा 100 बिस्तरों का अत्याधुनिक बहुउद्देशीय अस्पताल

मुख्यमंत्री साय ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को सौंपी भूमि आबंटन आदेश की प्रति, निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र धरमजयगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम गंवरघुटरी अब स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाने जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल और राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच के परिणामस्वरूप यहां 100 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक बहुउद्देशीय अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इस अस्पताल के निर्माण से धरमजयगढ़ सहित आसपास के वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले हजारों ग्रामीणों, विशेष रूप से आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्राम गंवरघुटरी, तहसील धरमजयगढ़ की 2 हेक्टेयर भूमि 30 वर्ष की अस्थायी लीज पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को आबंटित की गई है। इस भूमि पर फाउंडेशन द्वारा गरीबों और जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 100 बिस्तरों का अस्पताल बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय शनिवार को प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के तहत रायगढ़ जिले के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर संभाग के जांजगीर-चांपा, कोरबा और रायगढ़ जिलों की समीक्षा बैठक ली। समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को भूमि आबंटन आदेश की प्रति सौंपते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

उल्लखेनीय है कि यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का एक बड़ा केंद्र बनेगा। वर्तमान में धरमजयगढ़ और आसपास के कई ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को गंभीर बीमारी या विशेष उपचार के लिए रायगढ़, बिलासपुर अथवा अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और आर्थिक दोनों प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अस्पताल बनने के बाद स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे ग्रामीणों को त्वरित उपचार मिल सकेगा।

अस्पताल में सामान्य चिकित्सा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन उपचार, जांच सुविधाएं तथा अन्य आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध रहेगी। इससे वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर मजबूत होगा और ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। अस्पताल का संचालन गरीबों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाएगा। शासन द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार भूमि का उपयोग केवल अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कार्यों के लिए ही किया जा सकेगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों तथा अन्य वैधानिक प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। शासन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि भूमि का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही किया जाए तथा समय-समय पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इसका निरीक्षण किया जाता रहे।

राज्य शासन के इस फैसले का वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि अस्पताल निर्माण से न केवल बेहतर उपचार सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि क्षेत्र में रोजगार और अन्य सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मेहनत और लगन पर मेरा भरोसा, ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं: अद्रिजा रॉय

लोकप्रिय टीवी शो अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी।

अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं।

अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो अनुपमा में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है।

मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है।

उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं।

अभिनेत्री ने अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।''

एक्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से। कहानी में कुछ स्थितियां पूरी तरह से नाटकीय प्रभाव के लिए लिखी गई हैं, जिन्हें हम एक्टर के तौर पर निभाते हैं। निजी तौर पर, हो सकता है कि मैं हमेशा हर काम से खुद को जोड़ न पाऊं।

लेकिन जब भी राही शो में भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया देती है, खासकर उन दृश्यों में जिनमें उसकी मां शामिल होती है, तो मैं उसके नजरिए को समझने की कोशिश करती हूं। कभी-कभी दर्शकों को लग सकता है कि वह गलत है, लेकिन उसके नजरिए से उसकी भावनाएं सही हैं। एक एक्टर के तौर पर, जब मैं किसी दृश्य के पीछे के तर्क और भावनात्मक सच्चाई को समझ लेती हूं, तो उसे ईमानदारी से निभाना आसान हो जाता है।

लोकाह चैप्टर 1 एक्ट्रेस ने कान्स में ढाया कहर

बॉडीकॉन ड्रेस में कल्याणी प्रियदर्शन ने दिए कातिलाना पोज

साउथ एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में रेड कार्पेट पर डेब्यू कर हर किसी का ध्यान खींच लिया. अपने ग्लैमरस लुक और स्टाइलिश अंदाज से एक्ट्रेस ने फैंस को खूब इंप्रेस किया। उनकी कई फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

कान्स 2026 के चौथे दिन कल्याणी प्रियदर्शन ने रेड कार्पेट पर सारी लाइमलाइट लूट ली थी। एक्ट्रेस ने खुद अपनी कई फोटोज शेयर की हैं। अपने कान्स डेब्यू के लिए कल्याणी प्रियदर्शन ने बेहद रॉयल और क्लासी लुक चुना। एक्ट्रेस पर्पल कलर के स्ट्रैपलेस गाउन में रेड कार्पेट पर नजर आईं। कल्याणी ने इस गाउन के साथ चोकर और मैचिंग ईयररिंग्स पेयर किए थे। जो लुक को काफी ग्रेसफुल बना रहे थे। अपने लुक को और भी खास बनाने के लिए कल्याणी ने सटल मेकअप किया था, जिसमें शाइनी आई मेकअप और लाइट पिंक लिप्स्टिक शामिल थी। वहीं, उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा था, जिसमें वो काफी खूबसूरत लग रही थी। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के लुक की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। फैंस उनके इस अंदाज पर फिदा हो गए हैं। बता दें, कल्याणी प्रियदर्शन साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने साल 2017 में तेलुगु फिल्म हेलो से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद हृदयम, मानदु और एंटनी जैसी कई फिल्मों में काम किया. लेकिन उन्हें साल 2025 में आई फिल्म लोका चैप्टर 1: चंद्रा से पहचान मिली।

फिल्म पेड्डी से दिव्येंदु की आई पहली झलक खलनायक बनकर मचाएंगे तहलका

सुपरस्टार राम चरण की फिल्म पेड्डी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही है। गेम चेंजर (2025) के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद लोग उनकी इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। फिल्म में जाह्नवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। इसके अलावा एक और बॉलीवुड अभिनेता हैं। जो पेड्डी में तहलका मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह वेब सीरीज मिर्जापुर वाले दिव्येंदु हैं, जिनकी फिल्म से पहली झलक आ गई है।

पोस्टर में दिव्येंदु को रामबुज्जी के किरदार में पेश किया गया है। फिल्म में उन्हें ग्रामीण आंध्र प्रदेश की क्रिकेट से भरी दुनिया में अपना दबदबा बनाए रखने वाले एक निर्मम खलनायक के रूप में देखा जाएगा। पोस्टर में उनका जोशीला और तीव्र लुक देखने को मिला है, जो कहानी में एक रोमांचक, प्रतिद्वंदी और गंभीर टकराव होने का संकेत देता है। फिल्म का ट्रेलर 18 मई को रिलीज होगा, जबकि ये 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम चरण की पेद्दी को लेकर लोगों में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि मेकर्स फिल्म में राम चरण के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन वाले शानदार पोस्टर और दमदार झलकियां लगातार जारी कर रहे हैं। बुची बाबू सना द्वारा लिखी और निर्देशित में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, और उनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे।

वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले वेंकट सतीश किलारू द्वारा निर्मित और मैत्री मूवी मेकर्स के सहयोग से बनी यह फिल्म दर्शकों के बीच ज़बरदस्त उत्सुकता जगा रही है। धुरंधर और राजा शिवाजी की शानदार सफलता के बाद, 'पेद्दी' को उत्तरी भारत (नॉर्थ इंडिया) में जियो स्टूडियोज़ द्वारा रिलीज किया जाएगा।

इस फिल्म का प्रीमियर 3 जून, 2026 को दुनिया भर में होगा, जिसके बाद 4 जून, 2026 को इसे दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

जोड़ों का दर्द हर दिन क्यों हो रहा है बुरा? जानिए 5 वजहें

जोड़ों में दर्द एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है और अगर आप इसे नजरअंदाज करते हैं तो यह बढ़ सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी गलतियां बताने जा रहे हैं, जो आपके जोड़ों के दर्द को और भी बुरा बना सकती हैं। इन गलतियों को समझकर आप अपने दर्द को कम करने और बेहतर आराम पाने में मदद कर सकते हैं।

व्यायाम न करना

नियमित व्यायाम न केवल आपके शरीर के लिए अच्छा होता है, बल्कि यह आपके जोड़ों के लिए भी फायदेमंद होता है। अगर आप नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते हैं तो आपके मांसपेशियों कमजोर हो जाती हैं और जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है। रोजाना कुछ मिनट टहलने या हल्की स्ट्रेचिंग करने से आपके जोड़ों को आराम मिलेगा और दर्द में कमी आएगी।

गलत खान-पान

खान-पान का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है, खासकर जब बात जोड़ों के दर्द की हो। अगर आपके खाने में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होगी तो इससे सूजन बढ़ सकती है, जिससे आपका दर्द बढ़ सकता है। इसलिए अपने खाने में विटामिन-सी, विटामिन-डी, कैल्शियम और ओमेगा-3 फैटी एसिड वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करें। इसके अलावा हरी सब्जियां और फल भी आपके जोड़ों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

वजन बढ़ना

अधिक वजन होना एक बड़ा कारण हो सकता है, जिससे आपके जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे आपके घुटनों, कूल्हों और पीठ में दर्द हो सकता है। इसलिए अपने वजन को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। सही खान-पान और नियमित व्यायाम करके आप अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा पानी का सेवन बढ़ाएं और जंक फूड से दूर रहें ताकि आपका शरीर स्वस्थ रहे और जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

पर्याप्त आराम न करना

अगर आप लगातार काम करते रहते हैं और पर्याप्त आराम नहीं करते तो इससे भी आपके जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है। शरीर को आराम देना बहुत जरूरी है ताकि वह खुद को ठीक कर सके। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप रोजाना कुछ समय आराम करें और सोने से पहले हल्की स्ट्रेचिंग करें। इससे आपके मांसपेशियों को आराम मिलेगा और जोड़ों पर दबाव कम होगा, जिससे आपका दर्द भी कम हो जाएगा।

गलत तरीके से उठना-बैठना

अक्सर हम बिना सोचे-समझे गलत तरीके से उठते-बैठते हैं, जिससे हमारे कमर और गर्दन पर बुरा असर पड़ता है। सही तरीके से उठने-बैठने की आदत डालें ताकि आपके जोड़ों पर कोई अतिरिक्त दबाव न पड़े। सही तरीका यह है कि जब भी आप उठें तो पहले अपने पैरों को थोड़ा मोड़ लें और फिर धीरे-धीरे खड़े हों। इसी तरह बैठते समय भी घुटनों को मोड़कर बैठें ताकि पीठ और गर्दन पर कोई अतिरिक्त दबाव न पड़े।

काली पड़ गई है कड़ाही तो अपनाएं ये 5 चमत्कारी घरेलू उपाय, आएगी नई जैसी चमक

कड़ाही का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, समय के साथ इसमें काले दाग लग जाते हैं, जो इसकी चमक को कम कर देते हैं। इन दागों को हटाने के लिए कुछ सरल और असरदार घरेलू नुस्खे अपनाए जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी कड़ाही को फिर से नया जैसा बना सकते हैं और लंबे समय तक इसका उपयोग कर सकते हैं।

गर्म पानी और सिरका आएगा काम

कड़ाही के काले दाग हटाने के लिए गर्म पानी और सिरका एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। सबसे पहले कड़ाही को गर्म पानी से भरें और उसमें 2 चम्मच सिरका मिलाएं। अब इसे 10-15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद नरम ब्रश या स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें। इससे कड़ाही के दाग आसानी से निकल जाएंगे और वह चमकने लगेगी। ध्यान रखें कि कड़ाही को ज्यादा जोर से न रगड़ें, ताकि उसकी सतह खराब न हो।

बेकिंग सोडा का करें उपयोग

बेकिंग सोडा भी कड़ाही की सफाई के लिए एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही को धोकर सुखा लें। फिर उसमें थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा छिड़कें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, ताकि वह अच्छी तरह से अवशोषित हो सके। इसके बाद नरम ब्रश या स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें। इससे कड़ाही के दाग आसानी से निकल जाएंगे और वह चमकने लगेगी। ध्यान रखें कि कड़ाही को ज्यादा जोर से न रगड़ें।

नींबू का रस करें इस्तेमाल

नींबू का रस प्राकृतिक रूप से खट्टा होता है, जो कड़ाही के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक नींबू को आधा काटकर उसके रस को दाग वाले हिस्से पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, फिर नरम कपड़े से पोंछ दें। इससे दाग आसानी से निकल जाएंगे और कड़ाही चमकदार हो जाएगी। यह तरीका न केवल असरदार है, बल्कि कड़ाही की सतह को नुकसान भी नहीं पहुंचाता, जिससे वह लंबे समय तक सही रहती है।

नमक और पानी का मिश्रण बनाएं

नमक और पानी का मिश्रण भी कड़ाही साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े में नमक डालकर उसे गीला करें। इसे दाग वाले हिस्से पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, ताकि वह अच्छी तरह से अवशोषित हो सके। इसके बाद नरम कपड़े से पोंछ दें। इससे कड़ाही के दाग आसानी से निकल जाएंगे और वह चमकने लगेगी। ध्यान रखें कि कड़ाही को ज्यादा जोर से न रगड़ें, ताकि उसकी सतह खराब न हो।

नियमित देखभाल करें

कड़ाही को साफ रखने के लिए नियमित रूप से देखभाल करना जरूरी है। खाना बनाने के बाद तुरंत ही गर्म पानी से धो लें और सुखा लें, ताकि कोई भी अवशेष न बचें। महीने में एक बार इन तरीकों का उपयोग करें, ताकि कढ़ाई हमेशा नई जैसी दिखे और उसके जीवनकाल में वृद्धि हो सके। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी कड़ाही को लंबे समय तक सही रख सकते हैं।

अनन्या-लक्ष्य की चांद मेरा दिल रिलीज के पहले दिन करेगी दमदार ओपनिंग? मेकर्स ने चली ये चाल

अनन्या पांडे और लक्ष्य स्टारर फिल्म चांद मेरा दिल साल की मच अवेटेड फिल्म है और ये शुक्रवार, 22 मई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने जा रही है। इससे पहले, खबरों के मुताबिक धर्मा प्रोडक्शंस ने फिल्म की रिलीज के लिए एक नई स्ट्रैटजी फॉलो की है। दरअसल प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म की रलीज के पहले दिन दर्शकों को अट्रैक्ट करने के लिए टिकटों की कीमतें किफायती रखने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चांद मेरा दिल का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस ने किया है और वे ही फिल्म का डिस्ट्रिब्यूशन भी कर रहे हैं। उन्होंने सिनेमाघरों को इंफॉर्म किया है कि टिकट बेहद किफायती दामों पर बेचे जाने चाहिए। जिसके बाद शुक्रवार, 22 मई को शाम 5:00 बजे से पहले के सभी शो के टिकट महज 149 रुपये में अवेलेबल होंगे। वहीं शाम 5:00 बजे के बाद टिकट 199 रुपये में बेचे जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने आगे बताया, यह ऑफर केवल रिलीज के दिन ही वैलिड होगा। शनिवार और रविवार को सिनेमाघरों को वीकेंड के नॉर्मल रेट पर टिकट बेचने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, 149 रुपये और 199 रुपये के टिकट केवल सामान्य सीटों के लिए ही अवेलेबल होंगे। यह ऑफर रिक्लाइनर, लग्जरी स्क्रीन या प्रीमियम क्लास पर लागू नहीं होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने आगे बताया, चांद मेरा दिल यंगस्टर्स और कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स ध्यान में रखकर बनाई गई है। वे इस ऑफर से काफी अट्रैक्ट होंगे। इस ऑफर की वजह से सिनेमाघरों को उम्मीद है कि 25 साल से कम उम्र के दर्शक बड़ी संख्या में चांद मेरा दिल देखने आएंगे। ऐसा पिछले साल की स्लीपर ब्लॉकबस्टर फिल्म सैयारा (2025) के दौरान देखने को मिला था। चांद मेरा दिल का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले नेटफ्लिक्स की फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर का निर्देशन किया था। फिल्म का निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्वा मेहता, सोमेन मिश्रा और मारिजके डिसूजा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य लीज रोल में हैं। ये फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आदि उत्सव जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यमः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि आदि उत्सव का आयोजन जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। श्री डेका ने मध्यप्रदेश के मंडला जिले के रामनगर में आयोजित आदि उत्सव में मुख्य अतिथि की आसंदी से यह विचार व्यक्त किये। मध्यप्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित भव्य आदि उत्सव में जनजातीय संस्कृति, इतिहास, परंपरा और गौरवशाली विरासत का अद्भुत संगम देखने को मिला।

पूरा आयोजन गोंडवाना साम्राज्य की ऐतिहासिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित रहा। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने संबोधन में कहा कि रामनगर की मिट्टी में इतिहास की महक है। यह केवल एक स्थान नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय अस्मिता का प्रतीक है। आज मुझे इस पावन धरा में शामिल होने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा कि मंडला एवं आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में जनजातीय भाई-बहन इस वृहद आयोजन में सम्मिलित होते हैं, जो इस उत्सव की लोकप्रियता और सामाजिक महत्व को दर्शाता है। आदि उत्सव ने अपनी विशिष्ट पहचान और ख्याति स्थापित की है तथा यह आयोजन जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। राज्यपाल डेका ने कहा कि गोंडवाना साम्राज्य का इतिहास स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य, बलिदान और मातृभूमि के प्रति समर्पण आज भी पूरे देश को प्रेरणा देता है। उन्होंने गोंडवाना नरेश दलपत शाह, अमर शहीद शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह के बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया।

राज्यपाल डेका ने अपने संबोधन में मिलेट्स फेस्टिवल की भी सराहना करते हुए कहा कि मोटे अनाज को बढ़ावा देने की दिशा में यह आयोजन नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज सदियों से अपने जीवन में मोटे अनाज का उपयोग करता आया है। यह उनकी पारंपरिक जीवन शैली और प्रकृति के साथ सामंजस्य का प्रतीक रहा है। आज पूरा विश्व मिलेट्स के महत्व को समझ रहा है और इसे स्वास्थ्यवर्धक आहार के रूप में अपना रहा है। कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने आदि उत्सव की शुरुआत की पृष्ठभूमि से लेकर अब तक की उसकी ऐतिहासिक यात्रा का विस्तार से उल्लेख किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा मोतीमहल परिसर में स्थित शिलालेख पर जनजातीय संस्कृति की परंपरा अनुसार पूजन किया गया। सांसद श्री कुलस्ते द्वारा राज्यपाल श्री डेका एवं अन्य अतिथियों को पगड़ी एवं बीरन माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान जनजातीय लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत, लोकगाथाओं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आदि उत्सव के दौरान विभिन्न विभागों एवं जनजातीय कलाकारों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर जनजातीय संस्कृति, कला और पारंपरिक विरासत की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियाँ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और गौरवशाली विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पतिया उइके, गुजरात के जनजातीय कार्य मंत्री नरेश भाई पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खास खबर

बस्तर के बच्चों की खेल प्रतिभा तराशने जल्द शुरू होगी अकादमी

रायपुर। बस्तर के बच्चों की खेल प्रतिभा और कौशल को तराशने खेल एवं युवा कल्याण विभाग जगदलपुर में जल्द ही नई अकादमी खोलने जा रहा है। यह बस्तर अंचल का पहला आवासीय खेल अकादमी होगा। यहां बालकों को एथलेटिक्स, फुटबॉल और आर्चरी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अकादमी में प्रवेश के लिए विभाग द्वारा जल्द ही चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने जगदलपुर पहुंचकर अकादमी शुरू करने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बस्तर के खेल अधिकारियों से चर्चा कर मौजूदा अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, चयन ट्रायल की प्रक्रिया, विद्यालय सुविधा, वाहन व्यवस्था, खेल सामग्री तथा आवास सहित सभी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रस्तावित अकादमी भवन का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सुशासन तिहार से मिला त्वरित हुआ समाधान

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए आयोजित किए जा रहे श्सुशासन तिहारश् (जनसमस्या निवारण शिविर) आम जनता के लिए संकटमोचक साबित हो रहे हैं। वर्षों से लंबित समस्याओं का इन शिविरों में तत्काल निराकरण कर ग्रामीणों को मौके पर ही शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सरगुजा जिले के ग्राम बड़ादामली की निवासी फूल मंतिया सिंह को शिविर के माध्यम से त्वरित राहत मिली है। ग्राम बड़ादामली निवासी फूल मंतिया सिंह ने बताया कि वे लंबे समय से अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए परेशान थीं, लेकिन उनका कार्ड नहीं बन पा रहा था। जब उन्हें गांव में आयोजित सुशासन तिहार की जानकारी मिली, तो उन्होंने वहाँ पहुंचकर अपना आवेदन प्रस्तुत किया।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बन रहीं ग्रामीण महिलाएं

अम्बिकापुर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनकर उभर रही है। योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज आत्मनिर्भर बनते हुए स्वरोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। सरगुजा जिले के ग्राम बड़ादमाली की जागृति स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष एवं सरस्वती ग्राम संगठन की अध्यक्ष श्रीमती रामरति यादव भी ऐसी ही महिलाओं में शामिल हैं, जिन्होंने बिहान योजना से जुड़कर अपने समूह को नई दिशा दी है। श्रीमती रामरति यादव ने बताया कि सुशासन तिहार में उनके समूह को 5 लाख 40 हजार रुपये का सीआईएफ ऋण प्राप्त हुआ है। इस राशि का उपयोग समूह की महिलाओं द्वारा बकरी पालन एवं साग-सब्जी उत्पादन जैसे आजीविका मूलक कार्यों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना से न केवल महिलाओं को आर्थिक सहयोग मिला है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

आवासीय विकास का नया अध्यायः पर्री में अटल विहार योजना का भव्य शुभारंभ

37.66 करोड़ की लागत से बनेगी जिले की पहली आधुनिक आवासीय कॉलोनी, 185 परिवारों को मिलेगा सपनों का आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में शहरी विकास और आवासीय सुविधाओं की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ग्राम पर्री में जिले की प्रथम आवासीय कॉलोनी अटल विहार योजना का भव्य भूमिपूजन संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा लगभग 37.66 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जा रही यह महत्वाकांक्षी परियोजना जिले के आवासीय परिदृश्य को नई पहचान देने जा रही है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित रहीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, प्रेमनगर विधायक भुलन सिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणी पैंकरा तथा कलेक्टर श्रीमती रेना जमील सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अटल विहार योजना जिलेवासियों के अपने घर के सपने को साकार करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इसे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को मूर्त रूप देने वाली परियोजना बताते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मोदी की गारंटी के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सूरजपुर जिले की पहली आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय कॉलोनी होगी, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से लेकर उच्च आय वर्ग तक सभी के लिए किफायती दर पर आवास उपलब्ध होंगे।

185 आधुनिक भवनों का होगा निर्माण

अटल विहार योजना के अंतर्गत ग्राम पर्री में लगभग 10 एकड़ भूमि पर कुल 185 भवन बनाए जाएंगे। इनमें 68 ईडब्ल्यूएस, 60 एलआईजी, 47 एमआईजी तथा 10 एचआईजी भवन शामिल हैं। भवनों की कीमतें विभिन्न आय वर्गों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई हैं, जिससे हर वर्ग के लोगों को किफायती दर पर आवास उपलब्ध हो सके। अनुसार योजना को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल है और अब तक लगभग 70 प्रतिशत भवनों का पंजीयन पूरा हो चुका है। शेष भवनों के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है। संगठित शहरी विकास की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉलोनी आने वाले समय में जिले के लिए मॉडल आवासीय परियोजना के रूप में स्थापित हो सकती है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का हुआ समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। ग्राम पंचायत सेंदरीमुंडा के वार्ड क्रमांक 7 बैशाखूपारा में वर्षों से बनी हुई पेयजल समस्या का आखिरकार समाधान हो गया है। गर्मी के मौसम में वार्डवासियों को अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध होने लगी है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

ग्रामीणों को लंबे समय से पेयजल के लिए दूर-दराज क्षेत्रों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को पानी लाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। समस्या के स्थायी समाधान के लिए उमेश यादव, संतोष देहरी एवं ग्राम वासियों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर क्षेत्र की पेयजल समस्या से अवगत

कराया तथा हैंडपंप खनन की मांग की। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई। इसके तहत बैशाखूपारा में हैंडपंप खनन कार्य कराया गया। हैंडपंप से पानी निकलते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया। अब वार्ड क्रमांक 7 के लोगों को घर के समीप ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की संवेदनशील एवं जनहितैषी कार्यशैली के कारण उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान संभव हो पाया है।

सुशासन तिहार : मछली पालन विभाग द्वारा मछुआरा समिति को वितरित किया गया मछली पकड़ने का जाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार 2026 के माध्यम से आम नागरिकों तक शासन की योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। शासन की मंशानुसार गांव-गांव में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के जरिए नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए जरूरतमंद हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

इसी क्रम में हाल ही में कोंडागांव जिले के विकासखंड केशकाल अंतर्गत ग्राम अड़ेंगा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उद्योग, आबकारी तथा श्रम विभाग मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद भोजराज नाग, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसी कड़ी में मछली पालन विभाग, जिला कोण्डागांव द्वारा आदिवासी मछली पालन सहकारी समिति मर्यादित निराछिंदली, विकासखंड केशकाल के सदस्य कृष्णा नाग को मछली पकड़ने हेतु आधुनिक मछली जाल वितरित किया गया। इस सहायता से समिति के सदस्यों को मत्स्य पालन कार्य में सुविधा मिलने के साथ-साथ उनकी आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

कल का 'नक्सल गढ़' आज का डिजिटल हबः गूंजी मोबाइल की घंटी

कुतुल और आसपास के गांवों में पहुंचा मोबाइल नेटवर्क, संचार और जानकारी का खुला नया रास्ता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा नियद नेल्ला नार योजना, एलडब्ल्यूई-II एवं आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत अबूझमाड़ के दुर्गम और पूर्व में सुविधाओं से वंचित गांवों में अब मूलभूत सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

इसी क्रम में अबूझमाड़ क्षेत्र में मोबाइल टॉवर स्थापित कर ग्रामीणों को संचार सुविधा से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे देश-दुनिया

की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग कर सकेंगे।

जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कुतुल में 16 जनवरी 2026 को नया मोबाइल टॉवर स्थापित किया गया है। टॉवर शुरू होने से कुतुल सहित आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो गई है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह का वातावरण है। अब क्षेत्र के लोग दूरसंचार सेवाओं का लाभ लेते हुए शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और उनसे जुड़कर लाभान्वित हो सकेंगे। कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा कि अबूझमाड़ के अंदरूनी क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर स्थापित होने से स्थानीय निवासियों को बेहतर नेटवर्क कवरेज मिल रहा है। इससे ग्रामीणों को दैनिक जीवन में संचार की सुविधा प्राप्त हो रही है और वे अपने परिजनों से आसानी से संपर्क कर पा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल अबूझमाड़ क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और ग्रामीणों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी।

बस्तर में बदलाव की नई बयार

विकास की रौशनी से जगमगाया कोलेंग वनांचल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर का वह सुदूर वनांचल, जहाँ कभी सन्नाटा और दहशत का पहरा हुआ करता था, आज खुशहाली की एक नई इबारत लिख रहा है। बस्तर जिले के दरभा विकासखंड का कोलेंग क्षेत्र, जो दशकों तक माओवादी गतिविधियों के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, अब अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है।

कभी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता यह इलाका अब सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से लैस होकर विकास की मुख्यधारा में मजबूती से कदम रख चुका है। जो ग्रामीण कभी बुनियादी सुविधाओं और शासकीय योजनाओं से पूरी तरह महरूम थे, वे अब सीधे शासन-प्रशासन के संपर्क में हैं और विकास में अपनी सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं। एक समय था जब बारिश के दिनों में कोलेंग और उसके आसपास के गाँव पूरी तरह टापू बन जाते थे

और ग्रामीणों को आवागमन के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन आज यहाँ की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

जगदलपुर से लेकर कोलेंग, चांदामेटा, छिंदगुर, काचीरास, सरगीपाल और कान्दानार जैसे दुर्गम गांवों तक बारहमासी पक्की सड़कों का जाल बिछ जाने से न केवल आवाजाही सुगम हुई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आपातकालीन सेवाएं भी अब ग्रामीणों की चौखट तक पहुँच चुकी हैं। कोलेंग के सरपंच लालूराम नाग इस बदलाव को ऐतिहासिक मानते हुए कहते हैं कि पहले यह क्षेत्र बाहरी दुनिया से पूरी तरह कटा हुआ था, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में माओवाद की समस्या कम होने और शासन की सक्रियता से ग्रामीणों के जीवन स्तर में एक क्रांतिकारी सुधार आया है।

सड़क और संचार सुविधाओं के इस अभूतपूर्व विस्तार ने छिंदगुर जैसे गांवों को सीधे जिला मुख्यालय से जोड़ दिया है, जिसे सरपंच सुकमन नाग सरकार की अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने की प्रतिबद्धता का परिणाम बताते हैं। कनेक्टिविटी बेहतर होने का सबसे बड़ा और सीधा लाभ ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति पर पड़ा है, क्योंकि अब वे अपनी वनोपज और कृषि उत्पादों को बिना किसी बाधा के सीधे मंडियों तक ले जा पा रहे हैं।

इससे न केवल उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। कभी उपेक्षा का शिकार रहा यह वनांचल क्षेत्र आज अपनी पुरानी पहचान को पीछे छोड़ते हुए विकास की रौशनी से जगमगा रहा है और पूरे बस्तर में खुशहाली की एक नई उम्मीद जगा रहा है।

तिल्दा नेवरा स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग 433 मामलों से 2 लाख से ज्यादा का जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देश पर रायपुर मंडल में तिल्दा नेवरा रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में कुल 433 मामलों को दर्ज कर 2,15, 205 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया। इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था।

चेकिंग के दौरान जिसमें तिल्दा नेवरा रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, 16 ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने वाले लगभग 285 यात्री पकड़े गए। जिससे 1,64,595 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 96 यात्रियों से 45, 310 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 16 यात्रियों से 1600 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ और रेलवे स्टेशन पर कचरा फैलाने वाले 36 यात्रियों से 3600 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ।

रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफसुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । जिससे यात्रियों को टिकट लेने के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है, साथ ही यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है कि वे उचित टिकट लेकर सही कोच में बैठे एवं अपनी सुखद यात्रा करें एवं टिकट चेकिंग में रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AAJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

म्यूल खाता मामले में भिलाई के 2 आरोपी गिरफ्तार लोन दिलाने का झांसा देकर जुटाते थे पासबुक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के छावनी इलाके में लोगों को लोन दिलाने का झांसा देकर उनके बैंक खाते, पासबुक और दस्तावेज जुटाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड और क्रिकेट सट्टे जैसी गैरकानूनी गतिविधियों में कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों में आकाश जायसवाल, निवासी शारदा पारा कैंप-02 भिलाई और जावेद अख्तर, निवासी मदर टेरेसा नगर कैंप-01 भिलाई शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बैंक दस्तावेज और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

यह मामला थाना छावनी क्षेत्र स्थित बैकुण्ठ धाम आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-25 परिसर का है।

यहां कुछ लोग लोन दिलाने के नाम पर आसपास के लोगों से बैंक खाते, पासबुक और अन्य जरूरी दस्तावेज जमा कर रहे थे।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इन खातों का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा है। ऐसे खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम को ट्रांसफर करने और ऑनलाइन सट्टेबाजी के लेनदेन में किया जाता है।

बैंक खाते और पासबुक जमा करवा रहे थे आरोपी

छावनी पुलिस को 16 मई को सूचना मिली कि जावेद अख्तर नाम का युवक, आकाश जायसवाल के माध्यम से लोगों के बैंक खाते और पासबुक इकट्ठा कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेड डाली और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

क्रिकेट सट्टा और साइबर फ्रॉड में होता था इस्तेमाल

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोगों को जल्द लोन दिलाने का झांसा देते थे। इसके बदले उनसे बैंक पासबुक, खाते की जानकारी और जरूरी दस्तावेज ले लेते थे। बाद में इन बैंक खातों को मोटी रकम लेकर अन्य लोगों को उपलब्ध कराया जाता था। पुलिस के अनुसार, इन खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड और क्रिकेट सट्टे जैसी अवैध गतिविधियों में किया जा रहा था।

पुलिस ने जब्त किए दस्तावेज और मोबाइल

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महाराजा बैंक से संबंधित बैंक खातों और पासबुक के दस्तावेज बरामद किए। इसके अलावा वीवो कंपनी का एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पुलिस अब मोबाइल और बैंक खातों की डिटेल खंगाल रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सके। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

खास खबर

उर्स मेले में धारदार हथियारों संग सात आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग के उर्स कार्यक्रम में भारी भीड़ के बीच माहौल बिगाड़ने की तैयारी कर रहे हथियारबंद युवकों पर पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सिटी कोतवाली, मोहन नगर और पदमनाभपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाकर 7 अलग-अलग मामलों में 7 लोगों को अवैध धारदार हथियारों के साथ पकड़ा है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफआयुध अधिनियम और बीएनएस की धाराओं के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने ओम 19 वर्षीय ऋषि यादव, 23 वर्षीय तुषार अग्रवाल, 23 वर्षीय शेखर नामदेव, 19 वर्षीय मोहम्मद अबरार, 20 वर्षीय गुरप्रीत सिंह, 20 वर्षीय विक्की गायकवाड और एक विधि से संघर्षरत बालक के खिलाफ कार्रवाई की।

चोरी के विवाद में हत्या के आरोपी को उम्रकैद की सजा

जगदलपुर। दो मुर्गे और एक हजार रुपए चोरी करने के विवाद में ग्रामीण की बेरहमी से पिटाई कर उसकी जान लेने वाले दो आरोपियों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी चंदन बघेल और घासीराम नेताम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मामला सितंबर 2019 का है। करपावण्ड थाना क्षेत्र के पाटियामांझी रोड पर आरोपियों ने ग्रामीण मोसूराम बघेल पर दो मुर्गा और एक हजार रुपए चोरी करने का आरोप लगाया था। मोसूराम ने जब इससे इनकार किया, तो विवाद बढ़ गया। आरोपियों ने डंडे से मोसूराम के सिर, हाथ और पीठ पर बेरहमी से हमला कर दिया। गंभीर हालत में मोसूराम को मेडिकल कॉलेज डिमरापाल रेफर किया गया था।

हाईवा ने बाइक सवार को 100 मीटर घसीटा, युवक की मौत

जांजगीर-चांपा। जिले में एक तेज रफ्तार हाईवा वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा एनएच 49 पर पीसौद चौक के पास हुआ, जहां हाईवा ने बाइक को करीब 100 मीटर तक घसीटा। यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में युवक के सिर पर गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में युवक को जांजगीर जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कनाई निवासी जयराम कश्यप (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हाईवा वाहन को जब्त कर लिया गया है, लेकिन उसका ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

छात्रा ने शिक्षक पर लगाया छेड़खानी व अश्लील मैसेज का आरोप

राजनांदगांव। सुरगी के हायर सेकंडरी स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा ने स्कूल के एक शिक्षक पर छेड़खानी व मोबाइल से अश्लील बातें करने का आरोप लगाया हैं। छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षक पर अपराध दर्ज कर लिया है। सुरगी पुलिस ने बताया कि कक्षा 12वीं में अध्ययनरत छात्रा ने शिक्षक शेष नारायण शर्मा पर अश्लील बातें करने व अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी शिक्षक छुट्टी के दिनों में भी छात्रा के मोबाइल पर फोन कर अश्लील बातें करता था। जिससे वह परेशान हो गई है। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षक शेष नारायण शर्मा के खिलाफ बीएनएस की धारा 75 और 79 के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। सुरगी चौकी प्रभारी ढालसिंह साहू ने बताया कि छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सिग्नल पर खड़ी बाइकों को कार सवार ने मारी टक्कर, दो की मौत, एक घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चंद्रा-मौर्या चौक पर रविवार को तेज रफ्तार कार ने दो अलग-अलग दोपहिया वाहनों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की नाजुक हालत को देखते हुए उसे निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

घटना रविवार दोपहर करीब पौने 3 बजे की है। चंद्रा-मौर्या चौक पर रेड सिग्नल होने पर पावर हाउस जाने के लिए दो दुपहिया वाहनों पर सवार तीन लोग खड़े थे। उस दौरान रायपुर निवासी मनोहर कुमार भी बाइक से खड़ा था। इसी बीच तेज रफ्तार कार (सीजी 07 बीआर 0571) ने पीछे से उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों दुपहिया वाहन सवार सड़क पर दूर जा गिरे। इस दौरान कार भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिसमें कार चालक सागर जायसवाल भी फंस गया। आसपास मौजूद लोगों की मदद से तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद के बाद नूर खान (15 वर्ष) और मनोहर कुमार (35 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल सलीम का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी कार चालक सागर को हिरासत में ले लिया। सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी का कहना है कि आरोपी चालक नशे में वाहन चला रहा था या नहीं। इसकी जांच के लिए उसका मेडिकल कराया गया है।

रायपुर से बरामद हुई अपहृत नाबालिग, सरगुजा पुलिस की दबिश में आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। तीन महीने से लापता नाबालिग बालिका को आखिरकार सरगुजा पुलिस ने रायपुर से सकुशल बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से जहां परिजनों ने राहत की सांस ली, वहीं आरोपी के ठिकाने पर हुई दबिश ने पूरे मामले का सनसनीखेज खुलासा कर दिया।

मामला सरगुजा जिले के मणिपुर थाना क्षेत्र का है, जहां प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी 17 फरवरी 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे बिलासपुर चौक जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिवार ने रिश्तेदारों और आसपास हर जगह तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना मणिपुर पुलिस ने अपराध क्रमांक 47/2026 के तहत धारा 137(2), 64(2)एन बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम लगातार बालिका की पतासाजी में जुटी रही। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि अपहृत बालिका रायपुर जिले के उरला थाना क्षेत्र स्थित बिरगांव के किसान राइस मिल इलाके में मौजूद है। सूचना मिलते ही थाना मणिपुर पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी और आरोपी विजय पोर्ते के ठिकाने को घेर लिया। पुलिस ने मौके से नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपी विजय पोर्ते पिता अमृत पोर्ते उम्र 24 वर्ष निवासी पटोरा खालपारा थाना लुंड्रा ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के बाद 17 मई 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, महिला प्रधान आरक्षक मालती तिवारी, अनील सिंह, उमाशंकर साहू और रमाशंकर यादव की अहम भूमिका रही।

फिलहाल, सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने एक परिवार की चिंता खत्म कर दी, लेकिन यह मामला फिर साबित करता है कि नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर जरा सी लापरवाही भी बड़े खतरे में बदल सकती है।

भिलाई में तलवार लहराकर दहशत फैला रहा युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के शास्त्री नगर शुलभ परिसर के पास शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक युवक खुलेआम लोहे का धारदार हथियार लहराते हुए आने-जाने वाले लोगों को डराने-धमकाने लगा। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना थाना छावनी पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम योगेश भारती निवासी मेहमान कोल डिपो के पास शास्त्री नगर कैम्प-01 भिलाई थाना छावनी जिला दुर्ग बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक लोहे का धारदार तलवारनुमा हथियार बरामद हुआ जिसे पुलिस ने मौके पर ही जब्त कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी आम नागरिकों में भय का माहौल पैदा करने की नीयत से हथियार लेकर घूम रहा था। थाना छावनी में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 322/2026 के तहत धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेज दिया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना छावनी पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सीसीटीवी ने खोला ट्रॉली चोरी गैंग का राज, छोटा हाथी समेत तीन आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। घर के पीछे खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली को रातों-रात गायब करने वाले शातिर चोर आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गए और उनकी पूरी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद तस्वीरों ने खोल दी। सरगुजा जिले की गांधीनगर पुलिस ने ट्रॉली चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने चोरी गई ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ घटना में इस्तेमाल किया गया अशोक लीलैंड कंपनी का छोटा हाथी वाहन भी जब्त कर लिया है। मामला अंबिकापुर के गोधनपुर इलाके का है, जहां निवासी अमित कुमार ठाकुर पिता ध्रुव कुमार ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके घर के पीछे खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली को 9 मई 2026 की रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

रिपोर्ट मिलते ही थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 280/2026 धारा 305बी और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास पूछताछ की और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान फुटेज में साफ दिखाई दिया कि चोरी की ट्रॉली को अशोक लीलैंड के छोटा हाथी वाहन में ले जाया जा रहा है।

यही फुटेज पुलिस के लिए सबसे बड़ा सुराग बना। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर ककना निवासी ब्रिजभूषण उर्फ बिरजु गिरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी टूट गया और उसने अपने साथी फुलचंद गिरी तथा नंदू उर्फ नंदकिशोर पैकरा के साथ मिलकर ट्रॉली चोरी करना कबूल कर लिया। आरोपी ब्रिजभूषण के कब्जे से घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन क्रमांक यूपी 64 एटी 8637 और चोरी गई ट्रैक्टर ट्रॉली CG16ZD0130 बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपियों में ब्रिजभूषण उर्फ बिरजु गिरी पिता महेंद्र गिरी उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम ककना चौकी बरियों थाना राजपुर जिला बलरामपुर, फुलचंद गिरी पिता शिवप्रसाद गिरी उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम केपी थाना अंबिकापुर सरगुजा और नंदू उर्फ नंदकिशोर पैकरा पिता महेश्वर पैकरा उम्र 24 वर्ष निवासी ककना चौकी बरियों थाना राजपुर जिला बलरामपुर शामिल हैं।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना गांधीनगर के सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, आरक्षक कुंदन पांडेय, रमन मंडल, घनश्याम देवांगन, राहुल सिंह और साइबर सेल के आरक्षक रमेश रजवाड़े की अहम भूमिका रही। बहरहाल, इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अब सीसीटीवी और तकनीकी जांच के दौर में चोरों का बच निकलना आसान नहीं रह गया है।

डैम में बच्चे को बचाते खुद डूबा युवक, 2 घंटे बाद निकाला गया शव

पिकनिक मनाते समय हुआ हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में पिकनिक मनाने गए युवक एक बच्चे को डैम में डूबते देखकर गहरे पानी में कूद गया। इस हादसे में बच्चे की जान बच गई, लेकिन युवक खुद डूब गया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला गया। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, जरहाभाठा मंदिर चौक जरहाभाठा क्षेत्र से करीब 10-15 युवक रविवार को पिकनिक मनाने रतनपुर क्षेत्र के लछनपुर स्थित चचई डैम गए थे। सभी युवक डैम के आसपास घूम रहे थे। वहीं कुछ लड़के डैम में नहा रहे थे, तभी एक लड़का अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।

बचाने के लिए कूदा युवक, खुद डूब गया

इस दौरान बच्चे को डूबते देखकर जरहाभाठा जतिया तालाब के पास रहने वाला धीरज रात्रे (20) डैम में कूद गया। उसने किसी तरह पीठ पर लाद कर बच्चे को बाहर निकाला, जिसके बाद खुद गहरे पानी में समा गया। बताया जा रहा है कि पानी अधिक गहरा होने और बहाव के कारण धीरज बाहर नहीं निकल सका। देखते ही देखते वह पानी में डूब गया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और साथियों ने फौरन कोटा और रतनपुर पुलिस को सूचना दी।

दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया शव

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद धीरज का शव पानी से बाहर निकाला गया। इस घटना से धीरज के परिवार और साथियों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं जिस बच्चे की जान बचाई गई, वह पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मरचूरी रोड पर शराब सप्लाई का खेल बेनकाब, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। धमधा में एक्टिवा की डिग्गी को चलता-फिरता शराब गोदाम बनाकर अवैध शराब सप्लाई कर रहे आरोपी को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया। थाना धमधा पुलिस ने घेराबंदी कर एक ऐसे शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया, जो शहर में अवैध शराब बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि मरचूरी रोड शेड के नीचे एक व्यक्ति अवैध शराब बिक्री के लिए परिवहन कर रहा है। धमधा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। आरोपी जितेंद्र साहू उम्र 35 वर्ष निवासी धमधा बस स्टैंड वार्ड क्रमांक 07 थाना धमधा जिला दुर्ग के कब्जे से नीले रंग की एक्टिवा क्रमांक सीजी 07 सीडब्ल्यू 0459 की डिग्गी में छिपाकर रखे 30 पौवा देशी शोले मसाला मदिरा बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपी के पास से शराब बिक्री की रकम 300 रुपये भी जब्त की। पुलिस ने मौके से एक्टिवा वाहन, शराब और नगदी समेत कुल 73 हजार 300 रुपये का मशरूका जब्त किया। मामले में थाना धमधा में अपराध क्रमांक 125/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

खरसिया, छाल व पुसौर में अवैध शराब की गई जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पुलिस ने जिले में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 58 लीटर महुआ और देशी शराब जब्त की है। खरसिया, छाल और पुसौर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग कार्रवाई कर तीन आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। छाल क्षेत्र में पुलिस टीम ने हाटी बाजार पारा के पीछे दबिश देकर चैनसिंह राठिया को पकड़ा, जिसके पास से 35 लीटर महुआ शराब मिली। वहीं पुसौर पुलिस ने घेराबंदी कर स्कूटी से शराब ले जाते रवि कर्ष को पकड़कर 9 लीटर देशी शराब बरामद की। पुलिस ने शराब और वाहन जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए आगे कार्रवाई शुरू कर दी है।

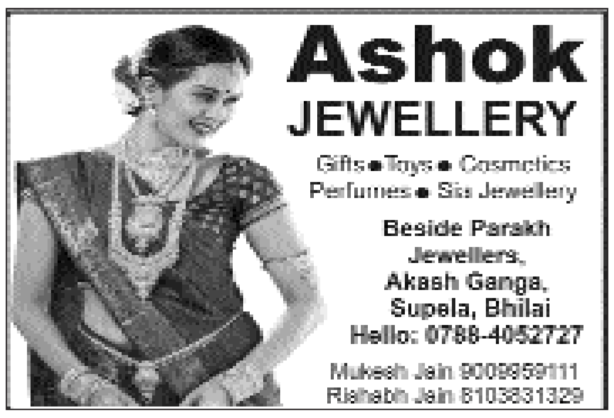

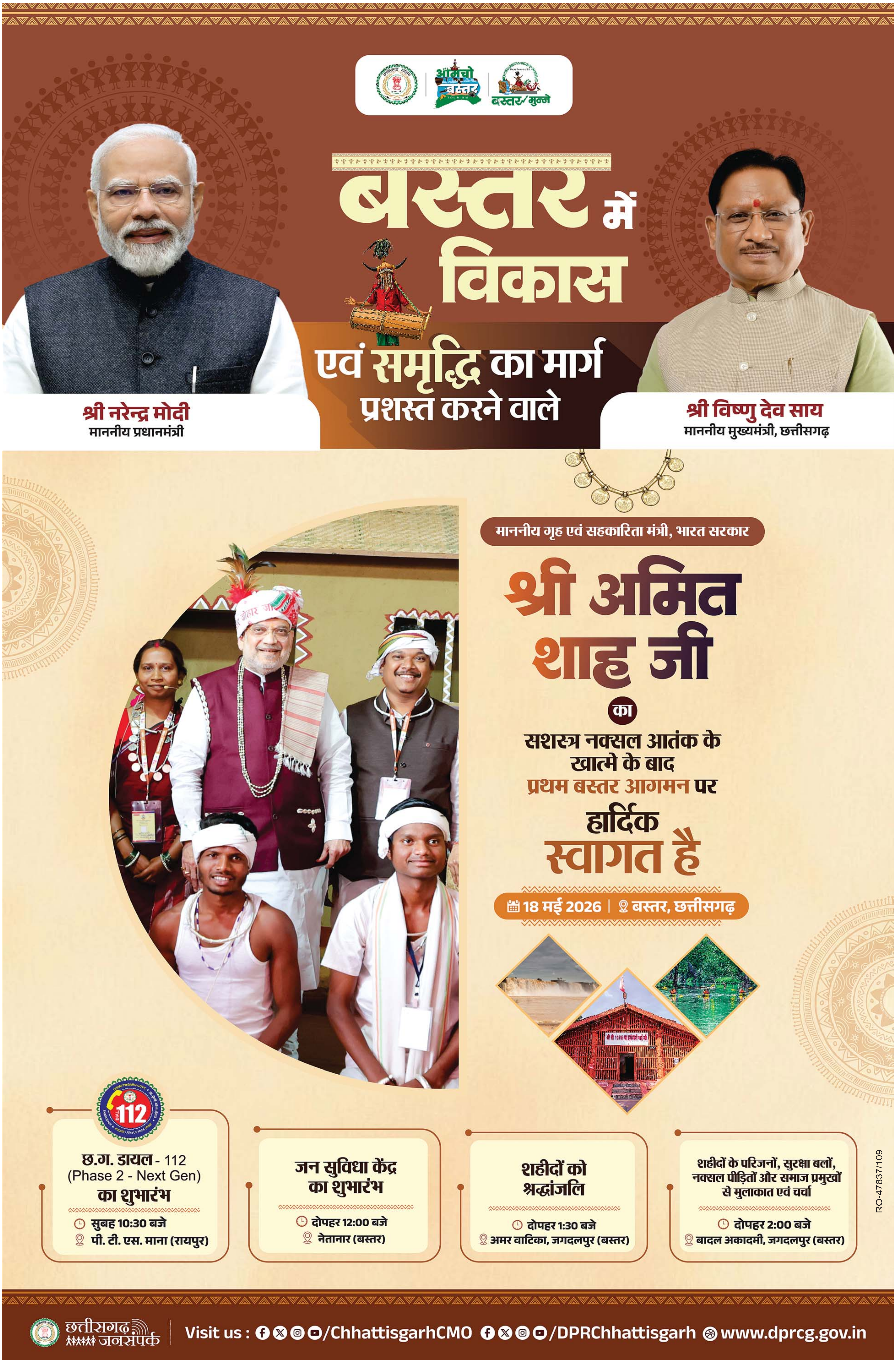

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950